राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-299 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## कंबोडिया में हिंदू देवता की मूर्ति तोड़े जाने पर जमकर भड़का भारत

● कहा-ऐसे अपमानजनक कृत्य से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के दौरान एक हिंदू देवता की मूर्ति तोड़े जाने पर गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को कहा कि ऐसे अपमानजनक कृत्य से दुनियाभर के श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। भारत ने दोनों देशों से सीमा विवाद को बातचीत और कूटनीति से सुलझाने का आग्रह किया है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि उन्होंने हाल ही में थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा विवाद वाले इलाके में एक हिंदू देवता की नई मूर्ति को तोड़े जाने की खबरें देखी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदू और बौद्ध देवताओं की पूजा पूरे क्षेत्र में लोग बड़ी श्रद्धा से करते हैं। यह हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

● 3500 किमी रेंज,2 टन परमाणु बम ले जाने में सक्षम है के-4 मिसाइल

# भारत ने पनडुब्बी से किया परीक्षण

● यह मिसाइल भारत की परमाणु हथियार पहुंचाने के समुद्री हिस्से को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

**विशाखापत्तनम (एजेंसी)।** भारत ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी में अपनी परमाणु संचालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघात से 3500 किलोमीटर रेंज वाली इंटरमीडिएट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल के-4 का परीक्षण किया। यह परीक्षण विशाखापत्तनम तट के पास किया गया। रक्षा मंत्रालय की ओर से इस परीक्षण पर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की है कि यह ठोस ईंधन वाली के-4 मिसाइल थी, जो दो टन परमाणु पेलोड ले जाने में सक्षम है। यह मिसाइल भारत की परमाणु हथियार त्रयी के समुद्री हिस्से को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सूत्रों के हवाले से लिखा- मंगलवार के परीक्षण का व्यापक विश्लेषण किया जाएगा, ताकि यह तय हो सके कि क्या सभी निर्धारित तकनीकी पैरामीटर और मिशन उद्देश्य पूरे हुए हैं या कोई कमी रह गई है। बैलिस्टिक मिसाइलों, विशेष रूप से पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को पूर्ण ऑपरेशनल स्टेटस हासिल करने के लिए कई परीक्षणों की जरूरत पड़ती है। दो स्टेज वाली के-4 मिसाइल के पहले कई परीक्षण वर्षों से समुद्र के भीतर सबमर्सिबल पॉन्टून प्लेटफॉर्म से किए जाते रहे हैं। हालांकि नवंबर 2024 में इसे पहली बार आईएनएस अरिघात से दागा गया था।

आईएनएस अरिघात भारत की दूसरी परमाणु संचालित पनडुब्बी है, जो परमाणु हथियारों वाली बैलिस्टिक मिसाइलें (नौसेना की भाषा में एसएसबीएन) ले जाने में सक्षम है। इसे पिछले साल 29 अगस्त को कमीशन किया गया था। यह 6,000 टन वजनी पनडुब्बी त्रि-सेवा रणनीतिक बल कमांड द्वारा संचालित की जाती है। इसकी पूर्ववर्ती पनडुब्बी अरिहंत, जो 2018 में पूरी तरह ऑपरेशनल हुई, केवल 750 किलोमीटर रेंज वाली के-15 मिसाइलें ले जा सकती है। भारत अब गोपनीय रूप से चल रहे 90,000 करोड़ रुपये से अधिक के एडवांस्ड टेक्नोलॉजी वेसल कार्यक्रम के तहत तीसरी अरिदमन को 2026 की पहली तिमाही में और चौथी को 2027-28 में कमीशन करेगा।

## एक करोड़ का ईनामी नक्सली गणेश उइके ढेर

● सुरक्षा बलों ने 5 साथियों का भी किया एनकाउंटर ● ओड़िशा के कंधमाल जिले में मिली बड़ी सफलता

**कंधमाल (एजेंसी)।** ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जंगलों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने शीर्ष नक्सली नेता गणेश उइके समेत कुल चार नक्सलियों को मार गिराया है। गणेश उइके नक्सली संगठन की केंद्रीय कमेटी का सदस्य बताया जा रहा है और लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गणेश उइके ओडिशा में नक्सली गतिविधियों का मुख्य संचालक था और उस पर सरकार की ओर से 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उसकी मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में व्यापक सर्च ऑपरेशन शुरू किया। यह अभियान घने जंगलों वाले क्षेत्र में चलाया गया, जहां नक्सलियों के छिपे होने की आशंका थी। अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही सुरक्षाबलों की टीम संदिग्ध इलाके में पहुंची, वहां मौजूद नक्सलियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से कुछ देर तक फायरिंग होती रही, जिसके बाद मुठभेड़ में 6 नक्सली मारे गए। मारे गए नक्सलियों में गणेश उइके के अलावा 5 अन्य शामिल हैं, जिनमें दो महिलाएं भी बताई जा रही हैं। फिलहाल बाकी नक्सलियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

● लखनऊ में मोदी ने किया राष्ट्र प्रेरणा स्थल का इनॉगरेशन

## पीएम बोले-हमने 370 की दीवार गिराई अब कश्मीर में भारत का कानून है लागू

**लखनऊ (एजेंसी)।** पीएम मोदी ने लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का इनॉगरेशन कर दिया है। उन्होंने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियों का अनावरण करके पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी आदित्यनाथ भी पीएम के साथ हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-आज महंगाई दर 1 प्रतिशत से नीचे है। भारत की विकास दर 8 प्रतिशत से आगे है। आज पूरी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है। आज ये हैसियत भारत की दुनिया में बनी है। रक्षा मंत्री ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की पाकिस्तान यात्रा की कहानी सुनाई। कहा- एक महिला पत्रकार ने शादी का प्रस्ताव रखा और कहने लगी कि शादी करने के लिए तैयार हूं, लेकिन बदले में कश्मीर चाहिए। अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया था कि मैं तैयार हूं, लेकिन बदले में मुझे पाकिस्तान चाहिए।

**पीएम मोदी ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल का जलवा देखा, वो अब लखनऊ में बन रही-** पीएम मोदी ने कहा- साथियों स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में डॉ मुखर्जी ने आर्थिक निर्भरता की नींव रखी थी। पहली औद्योगिक नीति रखी थी। भारत में उद्योगीकरण की बुनियाद रखी थी। यूपी में देखिए एक जनपद एक उत्पाद का अभियान चल रहा है। छोटी इकाइयों का सामर्थ्य बढ़ रहा है। यूपी में बहुत बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बना रहा है।

## 3 नई एयरलाइंस को केंद्र सरकार की हरी झंडी

● शंख एयर ,अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को मिला एनओसी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सरकार ने एविएशन सेक्टर में कॉम्पिटीशन बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के लिए तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी किया है। इन एयरलाइंस के नाम शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस हैं। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब हाल ही में इंडिगो के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतें सामने आई थीं। इसके बाद सरकार को लगा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में ज्यादा कंपनियों और विकल्पों की जरूरत है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारतीय आसमान में ज्यादा एयरलाइंस को बढ़ावा देना है। सरकार का मानना है कि नई एयरलाइंस के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा और ज्यादा विकल्प मिलेंगे। एनओसी मिलने का मतलब है कि सरकार ने अनुमति दे दी है।

## भारत से रिश्ते खराब करने की कोशिश कर रहा है अमेरिका

● पेंटागन की रिपोर्ट पर भड़का चीन, यूएस पर लगाए गंभीर आरोप

**बीजिंग (एजेंसी)।** चीन ने भारत के साथ अपने संबंधों को लेकर अमेरिका पर राष्ट्रीय रक्षा नीति को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) की हालिया रिपोर्ट पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा है, कि इसमें भारत-चीन संबंधों को गलत तरीके से पेश किया गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने गुरुवार को नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन, भारत के साथ अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखता है। उन्होंने कहा कि चीन किसी तीसरे देश को ध्यान में रखकर भारत के साथ रिश्ते तय नहीं करता। लिन जियान यह बयान उस सवाल के जवाब में दे रहे थे, जिसमें पूछा गया था कि क्या चीन, भारत और चीन के बीच विवादित सीमा क्षेत्रों में तनाव कम होने की स्थिति का फायदा उठाकर भारत और अमेरिका के बढ़ते रणनीतिक संबंधों में दरार डालने की कोशिश कर सकता है। पेंटागन की रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि चीन, भारत-अमेरिका की बढ़ती नजदीकी को लेकर चिंतित है और सीमा पर तनाव घटाने को एक रणनीतिक कदम के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि, चीन ने इस आकलन को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि अमेरिका की रिपोर्ट उसके रक्षा दृष्टिकोण को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है। आपको बता दें कि पेंटागन की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की दीर्घकालिक रणनीति का मूल लक्ष्य वर्ष 2049 तक चीनी राष्ट्र का महान पुनरुत्थान हासिल करना है।

## कर्नाटक में बस में लगी आग, 10 की मौत

● चित्रदुर्ग के हिरियूर में लॉरी से टक्कर के बाद हादसा ● 30 से ज्यादा यात्री सवार थे

**चित्रदुर्ग (एजेंसी)।** कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों

से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। ईस्ट जोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रविकांत गौड़ा ने बताया कि बस के ड्राइवर और क्लीनर बच गए हैं, जबकि ट्रक के ड्राइवर-क्लीनर की मौत हो गई है। कई यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। घायल यात्रियों को तुमकुरु जिले में शिरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो यात्री गंभीर हैं। पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है।

हादसे का शिकार हुई बस के ड्राइवर ने पुलिस को बताया है कि उसने सामने से आ रहे ओवरस्पीड ट्रक को देखकर अपनी गाड़ी को कंट्रोल करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहा। हादसे के एक चश्मदीद ने बताया कि वे एक स्कूल बस में बेंगलुरु से दांडेली के लिए निकले थे। उसी समय यह हादसा हुआ। लॉरी अचानक सड़क पार से आई और स्लीपर बस से टकरा गई। स्कूली बच्चों वाली बस के ड्राइवर ने पीछे से बस को टक्कर मारी, दूसरी तरफ मुड़ा और सड़क से नीचे उतर गया।

## राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल ट्रस्ट से 3,811 करोड़ का चंदा

● भाजपा को 2024-25 में सबसे ज्यादा 3,112 करोड़; कांग्रेस को सिर्फ 299 करोड़ मिले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट के बैन के बाद पहले वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजनीतिक दलों को नौ इलेक्टोरल ट्रस्ट के जरिए 3,811 करोड़ का चंदा मिला है। इसमें से 3,112 करोड़ केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को मिले। यह कुल फंड का करीब 82 फीसदी है। यह जानकारी इलेक्टोरल ट्रस्ट्स की ओर से चुनाव आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट्स से सामने आई है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड इन रिपोर्ट्स के मुताबिक, बाकी सभी दलों को मिलाकर करीब 400 करोड़ (10 फीसदी) फंड मिला। इसमें कांग्रेस को 299 करोड़ मिले, जो कुल चंदे का 8 फीसदी से भी कम है। इलेक्टोरल ट्रस्ट एक रजिस्टर्ड संस्था होती है, जो कॉर्पोरेट कंपनियां और व्यक्तियों से चंदा लेकर राजनीतिक पार्टियों तक पहुंचाती है। ट्रस्ट को चंदे की पूरी जानकारी चुनाव आयोग को देनी होती है। इससे चंदे का रिकॉर्ड बना रहता है और पता चलता है कि किस पार्टी को कितना दान मिला। 20 दिसंबर तक के आंकड़ों के मुताबिक, चुनाव आयोग के पास 19 में से 13 इलेक्टोरल ट्रस्ट्स की रिपोर्ट मौजूद थी।

**इलेक्टोरल बॉन्ड 6 साल में बंद हुए, ट्रस्ट 12 साल से चंदा जुटा रहे-** 2018 में शुरू हुए इलेक्टोरल बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2024 में पारदर्शिता के अभाव के चलते अवैध बताकर बंद कर दिया था। इसके बाद राजनीतिक फंडिंग में बड़ा बदलाव आया और इलेक्टोरल ट्रस्ट राजनीतिक दलों के लिए डोनेशन का मुख्य जरिया बन गए हैं। इलेक्टोरल ट्रस्ट स्कीम 2013 से देश में लागू है। ट्रस्ट अभी कंपनी एक्ट 2013, आयकर कानून की धारा 13बी, इलेक्टोरल ट्रस्ट स्कीम 2013 और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के तहत नियंत्रित होते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों का बलिदान अमर रहेगा

**केशगढ़साहिब में आयोजित सभा में गुरु गोविंद सिंह ने ही पहली बार पंच प्यारों को अमृत छकाया था। इस घटना को देश के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है,क्योंकि उस समय देश में धर्म,जाति जैसी चीजों का बहुत ज्यादा बोलबाला था। गुरु गोबिंद सिंह जिन्हें 'दशमेश गुरू' भी कहते हैं वह दुनिया के एकमात्र सिख गुरू हैं, जिन्होंने सिख धर्म की आस्था के लिए अपने सभी चारों पुत्रों का बलिदान दे दिया। सिख धर्म के अनुयायी गुरू गोबिंद सिंह की जयंती को प्रकाश पर्व के नाम से भी सेलिब्रेट करते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी के द्वारा सन् 1699 में 13 अप्रैल बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की गई।**

(लेखक - संजय गोस्वामी )

(वीर बाल दिवस 26 दिसम्बर पर विशेष )

वीर बाल दिवस गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादे, जोरावर सिंह जी और फतेह सिंह जी के बलिदान को याद करने के लिए मनाया जाता है। इन दोनों साहिबज़ादों ने मुगल शासक औरंगज़ेब के अत्याचारों का सामना करते हुए धर्म के लिए अपने प्राणों का त्याग कर दिया था।वीर बाल दिवस गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादे, जोरावर सिंह जी और फतेह सिंह जी के बलिदान को याद करने के लिए मनाया जाता है। इन दोनों साहिबज़ादों ने मुगल शासक औरंगज़ेब के अत्याचारों का सामना करते हुए धर्म के लिए अपने प्राणों का त्याग कर दिया था। क्यों 26 दिसंबर को मनाया जाता है? 26 दिसंबर, 1704 को ही इन दो साहिबज़ादों को दीवार में चिनवा दिया गया था। इसीलिए इस दिन को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार क्या है? प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा बच्चों को उनके विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह पुरस्कार बच्चों को प्रेरित करने और उनके उत्कृष्ट कार्यों को पहचानने के लिए दिया जाता है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार को भारत सरकार असाधारण उपलब्धियों के लिए 7 श्रेणियों में प्रदान करती है। इनमे शामिल है- कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण आदि है आखिर जानते है गुरू गोविन्द सिंह की विरता और उनके पराक्रम और उनका सारे परिवार की शहादत जो कट्टरपंथी ताकतों से जम कर लड़ी,

सिखों के 10वें गुरु गोविंद सिंह की जयंती नानकशाही कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में पड़ती है। वह दुनिया के अकेले ऐसे व्यक्ति होंगे, जिनके पिता और बच्चों की उनके सामने हत्या कर दी गई। सिख समाज के लिए इस दिन का विशेष महत्व होता है। इस दिन गुरु द्वारों में शब्द, प्रार्थना, लंगरों का आयोजन होता है, साथ ही उनके बलिदानों एवं उपदेशों को याद किया जाता है। गुरु गोबिद सिंह मानवता एवं त्याग के प्रतीक थे। उन्हें धर्म और मानव जाति के कल्याण हेतु अद्वितीय योगदान के लिए भी जाना जाता है। प्रत्येक वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष सप्तमी को गुरु गोबिद सिंह जयंती मनाई जाती है। ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार गुरु गोबिद सिंह का जन्म 22 दिसंबर, 1666 में पटना (बिहार) में हुआ था। पिता का नाम गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी थी। बाल्यावस्था में उन्हें गोविंद के नाम से पुकारा जाता था। गोविंद सिंह बाल्यकाल से बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरु गोबिंद सिंह सिख पंथ के दसवें गुरु थे। इसके बाद उन्होंने गुरु परंपरा को खत्म कर गुरु ग्रंथ साहिब को स्थाई गुरु घोषित कर दिया। जब औरंगजेब ने गुरु तेगबहादुर का कत्ल करवा दिया, तो उनकी शहादत के बाद उनकी गद्दी पर गुरु गोविंद सिंह को बैठाया गया। उस समय उनकी उम्र मात्र 9 वर्ष थी। गुरु की गरिमा बनाये रखने के लिए उन्होंने अपना ज्ञान बढ़ाया और संस्कृत,फारसी,पंजाबी और अरबी भाषाएं सीखीं। गुरु गोविंद सिंह ने धनुष-बाण, तलवार, भाला आदि चलाने की कला भी सीखी।उन्होंने सिखों को अपने धर्म,जन्मभूमि और स्वयं अपनी रक्षा करने के लिए संकल्पबद्ध किया और उन्हें मानवता का पाठ पढ़ाया। पंच प्यारे भी गुरु गोविंद सिंह की ही देन है। केशगढ़साहिब में आयोजित सभा में गुरु गोविंद सिंह ने ही पहली बार पंच प्यारों को अमृत छकाया था। इस घटना को देश के इतिहास में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है,क्योंकि उस समय देश में धर्म,जाति जैसी चीजों का बहुत ज्यादा बोलबाला था। गुरु गोबिंद सिंह जिन्हें 'दशमेश गुरू' भी कहते हैं वह दुनिया के एकमात्र सिख गुरू हैं, जिन्होंने सिख धर्म की आस्था के लिए अपने सभी चारों पुत्रों का बलिदान दे दिया। सिख धर्म के अनुयायी गुरू गोबिंद सिंह की जयंती को प्रकाश पर्व के नाम से भी सेलिब्रेट करते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी के द्वारा सन् 1699 में 13 अप्रैल बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की गई। यह सिखों के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। खालसा का मतलब होता है खालिस यानि शुद्ध जो मन, वचन एवं कर्म से पूरी तरह से शुद्ध हो और समाज के प्रति पूरी तरह से समर्पण का भाव रखता हो। पंज प्यारे की स्थापना से पहले सिख समुदाय की एक सभा में उन्होंने सबके सामने पूछा, कौन अपने सिर का बलिदान देना चाहता है? उसी समय एक स्वयं सेवक तुरंत सामने आकर इस बात के लिए तैयार हो गया जिसके बाद गुरु गोविंद सिंह जी उसे अपने साथ दूसरे तंबू में ले गए जब कुछ देर बाद वे वापस लौटे तो उनकी तलवार पर खून लगा हुआ था। उसके बाद गोविंद जी ने दोबारा भीड़ में खड़े लोगों से वही सवाल पूछा तो फिर से उसी प्रकार एक और व्यक्ति राजी हो गया और उनके साथ चला गया। जिसके बाद वे फिर वह खून से सनी तलवार लेकर बाहर आए। इसी तरह से एक-एक करके जब पांचवा स्वयंसेवक भी उनके साथ तंबू के भीतर चला गया, तब इसके कुछ समय बाद गुरु गोविंद सिंह सभी जीवित सेवकों के साथ वापस बाहर आ गए और उन्होंने उन्हें पंज प्यारे या पहले खालसा का नाम दिया। इस तरह से पंज प्यारे की स्थापना हुई।

चिड़ियाँ नाल मैं बाज लड़ावाँ,गिदरां नुं मैं शेर बनावाँ
सवा लाख से एक लड़ावाँ,ताँ गोविंद सिंह नाम धरावाँ

सिखों के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह द्वारा 17 वीं शताब्दी में कहे गए ये शब्द आज भी सुनने या पढ़ने वाले की आत्मा को चीरते हुए उसके शरीर में एक अद्भुत शक्ति का संचार करते हैं। ये केवल शब्द नहीं हैं,शक्ति का पुंज है, एक आग है अन्याय के विरुद्ध, अत्याचार के विरुद्ध, भय के विरुद्ध, शक्ति के दुरुपयोग के विरुद्ध, निहत्थे और बेबसों पर होने वाले जुल्म के विरुद्ध। कल्पना कीजिए उस आत्मविश्वास की जो एक चिडिया को बाज से लड़ा सकता है, उस विश्वास की जो गीदड़ को शेर बना सकता है, उस भरोसे की जिसमें एक अकेला सवा लाख से जीत सकता है। और हम सभी जानते हैं कि उन्होंने जो कहा वो करके भी दिखाया।इनके दो बड़े पुत्र चमकौर के युद्ध में शहीद हो गए और दो छोटे पुत्र मात्र 8 और 5 वर्ष की आयु में धर्म की रक्षा करते हुए दीवार में जिंदा चिनवा दिए गए थे। वो इन्हीं की दी शिक्षा थी जो उस अबोध आयु के बालक मुसलमान सूबेदार वजीर खान की कैद में होते हुए भी डरे नहीं और धर्म परिवर्तन के नाम पर अपने दादा की कुर्बानी याद करते हुए बोले कि जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की परवाह भी नहीं की तुम उनके पोतों को मुसलमान बनाने की सोच भी कैसे सकते हो? इन कुर्बानियों ने गुरु गोविंद सिंह जी को और मजबूत बना दिया और 1705 में उन्होंने औरंगजेब को छंद शेरों के रूप में फारसी भाषा में एक पत्र लिखा जिसे जफरनामा कहा जाता है।हालांकि यह पत्र औरंगजेब के लिए था और इसमें उन्होंने औरंगजेब को उसका साम्राज्य नष्ट करने की चेतावनी दी थी लेकिन इसमें जो उपदेश दिए गए हैं उनके आधार पर इसे धार्मिक ग्रंथ के रूप में स्वीकार करते हुए दशम ग्रंथ में शामिल किया है। गुरु गोविंद सिंह जी इतिहास के वो महापुरुष हैं जो किसी रियासत के राजा तो नहीं थे लेकिन अपनी शख्सियत के दम पर लोगों के दिलों पे राज करते थे। उन्होंने इस गुलाम देश के लोगों को सिर उठाकर जीना सिखाया, लोगों को विपत्तियों से लड़ना सिखाया, यह विश्वास दिलाया कि अगर देश आज गुलाम है तो इसका भाग्य हम ही बदल सकते हैं। वो गुरु गोविंद सिंह जी ही थे जिन्होंने अपने भक्तों को एक सैनिक बना दिया, उनकी श्रद्धा और भक्ति शक्ति में बदल दी, जिनके नेतृत्व में इस देश का हर नागरिक एक वीर योद्धा बन गया, सिखों के दसवें एवं आखिरी गुरु की 356 साल पुरानी हर सीख आज भी प्रासंगिक है। उनके बताए पथ पर चलकर जिस देश ने अपना इतिहास बदला आज एक बार फिर से उन्हीं का अनुसरण करके हम अपने देश का भविष्य बदल सकते हैं। आवश्यकता है अपनी आने वाली पीढ़ी को उनके बताए संस्कारों से जोड़ने की।गुरु गोबिंद सिंह की तीन पत्नियां थीं। पहली पत्नी जीतो, से 3 पुत्र जुझार सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह, दूसरी पत्नी सुंदरी से अजीत सिंह, लेकिन तीसरी पत्नी साहिब देवन से कोई संतान नहीं थी। 1704 के चमकौर युद्ध में 40 बहादुर सिख योद्धाओं के साथ अजीत सिंह और जुझार सिंह सैकड़ों मुगल सैनिकों पर कहर बनकर टूट पड़े और आधी से ज्यादा सेना का सफाया कर दिया, लेकिन मुगल सेना गुरु गोबिंद सिंह की हत्या के फिराक में थी। तभी अजीत और जुझार पिता की ढाल बनकर आ गये। पिता को तो उन्होंने बचा लिया, लेकिन खुद शहीद हो गए अपनों के विश्वासघात से सरहिंद के नवाब वजीर खान ने गोबिंद सिंह के दो अन्य पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह और उनकी माता को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बच्चों पर इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव डाला गया।

## संपादकीय

## न्यूज़ीलैंड से डील

अमेरिका द्वारा अनुचित टैरिफ लगाने से भारतीय बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के बीच न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता सुखद ही है। माना जा रहा है कि दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं के संरक्षणवाद तथा भू-राजनीतिक तनाव से उपजे आपूर्ति श्रृंखला के संकट के बीच इस समझौते का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय कृषि व फल उत्पादकों के हितों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जैसी कि हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों में गहरी चिंता है कि न्यूजीलैंड के सेब पर आयात शुल्क पचास से पच्चीस फीसदी करने से उनके हितों पर चोट लगेगी। उनकी आशंका है कि यदि अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते होते हैं तो हिमाचली सेब बाजार में प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि जिस दौरान हिमाचली सेब की मार्केट में आवक होती है, उस दौरान यह शुल्क कम नहीं होना चाहिए। उनका मानना है कि इससे सेब की हाई-डेंसिटी खेती तथा कोल्ड स्टोरेज उद्योग पर भी बुरा असर पड़ेगा। वैसे इस करार का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार डील में भारत को लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दुगना करने का लक्ष्य रखा गया है, जो देश के व्यापक हित में हो सकता है। न्यूजीलैंड ने अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर के निवेश करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह, इस करार से उस नकारात्मक वातावरण को दूर करने में मदद मिलेगी, जो अमेरिका के एकतरफा टैरिफ लगाने से बना था। जिसके चलते अमेरिका को निर्यात करने वाले उत्पादक चिंता में थे और रोजगार के अवसरों में कमी की आशंका भी जतायी जा रही थी। सकारात्मक पहलू यह भी है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मार्च में भारत यात्रा के बाद सिर्फ नौ महीने में यह करार सिरे चढ़ा है। निस्संदेह, यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक हितों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कहा जा रहा है। जो निश्चय ही हमारी हिंद-प्रशांत आर्थिक रणनीति को संबल देगा। यह तथ्य भी विचारणीय है कि आजादी के कुछ साल बाद शुरू हुआ दोनों देशों का व्यापारिक लेनदेन बेहद उत्साहजनक नहीं रहा। जो बीते साल मुश्किल से दो अरब डॉलर तक पहुंच सका है। बहरहाल, अगले पांच साल में व्यापार को दुगना करने का संकल्प आशा जगाता है। भारत न्यूजीलैंड को फार्मास्यूटिकल, गुड्स, आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। कहा जा रहा है कि करार के बाद भारत की न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। यह भी कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के न्यूजीलैंड के अनुभव का लाभ भारत को मिल सकता है, लेकिन भारतीय किसानों के हितों की रक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि करार में भारतीय डेयरी उद्योग के हितों की रक्षा करने का भरोसा दिया गया है। दुनिया में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश भारत में न्यूजीलैंड के डेयरी सेक्टर को कोई छूट नहीं दी गई है। यहां उल्लेखनीय है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अब तक सिरे न चढ़ने की एक बड़ी वजह डेयरी व कृषि क्षेत्र में भारतीय किसान व डेयरी उत्पादकों के हितों के चलते अमेरिकी दखल को हरी झंडी न देना ही है।

# वीर बालकों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है 'वीर बाल दिवस'

(लेखक- योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस)

(वीर बाल दिवस (26 दिसम्बर) पर विशेष)

26 दिसम्बर को गुरु गोबिंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं।

गुरु गोबिंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसीलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया।

मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोबिंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुंच गए जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोबिंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गंगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया।

साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया तो उसने उन्हें सिर झुकाकर खड़ा होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इन्कार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खां ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादे जपुजी साहिब का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रही।

कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े बेटे थे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे। तीर खत्म होने पर उन्होंने तलवार निकालकर दुश्मनों से युद्ध किया लेकिन युद्ध के दौरान तलवार टूट जाने पर वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत के बाद गुरु जी के दूसरे बेटे जुझार सिंह ने रणभूमि में मोर्चा संभाला और अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। खेलने-कूदने की छोटी सी उम्र में गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को अपने देश और धर्म से प्रेम करने और इनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहने का संदेश देता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

# मुक्ति की तलाश

चिंतन मनन

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना।

वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूं। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

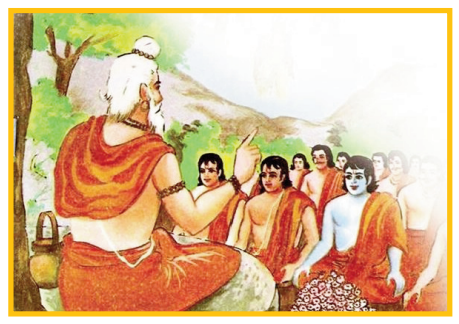

## विचार मंथन

# भारतीय घरों में जमा 35000 टन सोने पर सरकार की नज़र

(लेखक- सनत जैन )

भारतीय परिवारों के घरों में जमा लगभग 35,000 टन सोने के भंडार को लेकर एक बार फिर सरकारी गलियारों में बहस तेज हो गई है। आभूषणों और अन्य रूपों में मौजूद इस सोने की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5 ट्रिलियन डॉलर, यानी लगभग 415 लाख करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह आंकड़ा दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों के स्वर्ण भंडार से भी अधिक है। ऐसे में भारत सरकार और उसके नीति सलाहकारों की नजर इस विशाल संपदा पर पड़ना स्वाभाविक है। सवाल यह है, कि क्या यह सोना वास्तव में 'डेड मनी' है, या भारतीय समाज की आर्थिक और सामाजिक रीढ़ है? सरकार से जुड़े कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि घरों में पड़ा सोना यदि औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन जाए, तो इससे कई फायदे हो सकते हैं। प्रस्तावित विचारों में प्रत्येक परिवार के लिए सोने की अनिवार्य घोषणा, एक सीमा से अधिक सोने पर टैक्स, और मूल्य वृद्धि पर 30 प्रतिशत तक आयकर लगाने जैसे सुझाव शामिल हैं। सरकार को यह सुझाव भी दिया गया है, कि गोल्ड फानिटाइजेशन स्कीम लाकर गोल्ड लीजिंग को अनुमति दी जाए। घरों में जमा सोने और आभूषणों को बैंक में जमा करके 2 से 5 फीसदी का रिटर्न जमा करने वालों को दिया जाए। इसका फायदा भारत की जीडीपी को बढ़ाने में मिलेगा। वहीं डेड सोने से आय का विकल्प आम जनता को मिलेगा। काले धन के रूप में जमा सोने के लिए माफी योजना लाने की बात भी सामने आई है। तर्क दिया जा रहा है कि यदि यह सोना बैंकिंग और सरकारी प्रणाली में आता है, तो सरकार का राजस्व बढ़ेगा, रिजर्व बैंक की बैलेंस शीट मजबूत होगी, विदेशी मुद्रा भंडार को सहारा मिलेगा और सरकार की कर्ज पर निर्भरता कम होगी। इसके साथ ही बैंकों की ऋण देने की क्षमता बढ़ेगी, जिससे आर्थिक विकास को गति मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से देखें, तो यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं हैं। भारत जैसे विकासशील देश के लिए घरेलू संसाधनों का बेहतर उपयोग आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर मजबूत स्थिति, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से सस्ते कर्ज की संभावना और औद्योगिक निवेश को बढ़ावा—ये सभी सरकार के लिए आकर्षक लक्ष्य हैं। अर्थव्यवस्था केवल आंकड़ों और बैलेंस शीट से नहीं चलती, वह समाज की संवेदनाओं और परंपराओं से भी जुड़ी होती है। यहीं पर इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा खतरा सामने आता है। भारतीय परिवारों के लिए सोना महज निवेश का साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का आधार है। शादी-विवाह, चिकित्सा आपातकाल, बच्चों की शिक्षा या किसी भी संकट के समय यही सोना अंतिम सहारा बनता है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए आभूषण 'स्त्री धन' माना जाता है, जो उन्हें आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके तार भारतीय बचत की परंपरा से जुड़ते हैं। पीढ़ी दर पीढ़ी विरासत में मिले ये आभूषण भावनात्मक रूप से भी परिवारों से जुड़े होते हैं। ऐसे में उन पर टैक्स लगाना या अनिवार्य घोषणा करना कई लोगों को अन्यायपूर्ण प्रतीत होगा। आलोचकों का कहना है कि यदि किसी निम्न या मध्यम वर्गीय परिवार के पास 100 से 150 ग्राम सोना है, जिसकी वर्तमान कीमत 12 से 20 लाख रुपये तक हो सकती है, उस पर टैक्स लगाना व्यावहारिक नहीं होगा। इससे न केवल मध्यम और निम्न वर्ग की आर्थिक स्थिति पर दबाव पड़ेगा, बल्कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। टैक्स चुकाने के लिए लोगों को कर्ज लेना पड़ सकता है, जो उनकी आर्थिक असुरक्षा को और बढ़ाएगा। इसके अलावा, सोने की अनिवार्य घोषणा और टैक्स जैसे कदमों से व्यापक जनविरोध की आशंका भी है। भावनात्मक जुड़ाव, पारिवारिक स्मृतियां और सांस्कृतिक मूल्य—इन सबको नजरअंदाज कर बनाया गया कोई भी कानून सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकता है। इतिहास गवाह है कि जब भी सरकार ने लोगों की निजी संपत्ति पर सीधा हस्तक्षेप किया है, तो उसे तीखी प्रतिक्रिया झेलनी पड़ी है। 1967 में तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई के कार्यकाल में जमाखोरी, कालाबाजारी रोकने, उत्पादन एवं व्यापार बढ़ाने के लिये गोल्ड कंट्रोल 1967 लागू किया गया था। इससे सोने की तस्करी तथा अवैध कारोबार बढ़ा। देश की अर्थ व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ा था। फिलहाल सरकार की ओर से सोने पर टैक्स या अनिवार्य घोषणा को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन चल रही चर्चाएं संकेत देती हैं, कि वर्ष 2026-27 के बजट में इस दिशा में कोई प्रस्ताव सामने आ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार संतुलित दृष्टिकोण अपनाए। घरों में जमा सोने को अर्थव्यवस्था में लाने के लिए स्वैच्छिक, प्रोत्साहन-आधारित और भरोसेमंद योजनाएं बनाई जाएं, न कि दंडात्मक कानून।

तभी यह सोना देश की आर्थिक ताकत बन पाएगा, वरना यह सरकार और सामाजिक टकराव का कारण भी बन सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## भारत ने 2025 में कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए

**- नया आयकर अधिनियम एक अप्रैल से होगा लागू**

**नई दिल्ली।** भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में बड़े सुधार लागू किए। 22 सितंबर से लगभग 375 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी दरें घटाई गईं। चार-स्तरीय जीएसटी प्रणाली (5, 12, 18, 28 फीसदी) को दो मुख्य दरों 5 और 18 फीसदी में समेटा गया। इसका उद्देश्य कर व्यवस्था को सरल, तार्किक और पूर्वानुमानित बनाना था। अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा, जबकि नवंबर में यह 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा, दर कटौती के प्रभाव के कारण वृद्धि धीमी हुई। सरकार ने मध्यम आय वर्ग के लिए आयकर छूट बढ़ाई, जिससे उपभोक्ताओं के हाथ में अधिक खर्च योग्य आय उपलब्ध हुई। 1 अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा, जो 1961 के पुराने कानून की जगह लेगा। इस कदम से न केवल उपभोग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्वैच्छिक अनुपालन भी मजबूत होगा। दो नए कानून लागू किए जाएंगे- सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क। इन कदमों का उद्देश्य स्वास्थ्य और राजस्व दोनों को ध्यान में रखना है। सरकार सीमा शुल्क में सरलकरण और प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण पर काम कर रही है। दस्तावेजीकरण में एकरूपता, जोखिम-आधारित त्वरित मंजूरी और पुराने विवादों का निपटान व्यापार सुगमता और निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाएगा।

## अमेरिकी शेयर बाजार रिकॉर्ड बढ़त के साथ बंद

**वाशिंगटन।** अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुए। डाओ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज 288.75 अंक बढ़कर 48,731.16 पर, एसएंडपी 500 22.26 अंक बढ़कर 6,932.05 पर और नैस्डैक कम्पोजिट 51.46 अंक बढ़कर 23,613.31 पर बंद हुआ। सभी प्रमुख इंडेक्स ने रिकॉर्ड क्लोजिंग हाई दर्ज किया। पिछले हफ़्ते की बिकवाली के बाद एआई से जुड़े शेयरों में सुधार देखा गया। महंगे वैल्यूएशन और मुनाफ़े पर संभावित असर की चिंताओं के कारण पहले गिरावट आई थी। अमेरिकी अर्थव्यवस्था मज़बूत बनी हुई है। मार्केट अगले साल फेडरल रिज़र्व द्वारा 50 बेसिस पॉइंट की कटौती की उम्मीद कर रहा है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के शेयर 3.8 फीसदी बढ़कर 286.68 डॉलर के रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुए।

## झारखंड की बंद खदानें बनेंगी हरित निवेश और रोजगार का केंद्र

**रांची ।** झारखंड में बंद और गैर-संचालित कोयला खदानों से 11,000 हेक्टेयर भूमि तुरंत उपलब्ध है। अगले 5-10 वर्षों में लगभग 45,000 हेक्टेयर भूमि का नवीनीकरणीय ऊर्जा, हरित विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स जैसे हरित निवेश के लिए उपयोग किया जा सकता है। 16,977 करोड़ रुपये डीएमएफ में उपलब्ध हैं, जिन्हें कोयला-आधारित जिलों में आजीविका विविधीकरण, कौशल विकास और कल्याणकारी गतिविधियों में निवेश किया जा सकता है। इससे धनबाद, बोकारो और रामगढ़ में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में 77 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं और हरित इस्पात उत्पादन से झारखंड हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। अगले एक दशक में राज्य के प्रमुख हॉटस्पॉट जिलों में आर्थिक विविधीकरण और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा।

# क्रिसमस पर चांदी के दामों में रिकॉर्ड तेजी

**- दिल्ली में चांदी 2,34,000 रुपए प्रति किलो**

**नई दिल्ली ।**

क्रिसमस के अवसर पर देशभर में चांदी के दामों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, चंडीगढ़, लखनऊ, बेंगलुरु, जयपुर, पटना और भुवनेश्वर में चांदी की कीमत 2,34,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुँच गई। वहीं, चेन्नई और हैदराबाद में यह और भी ऊंची होकर 2,45,000 पर रही। प्रति ग्राम चांदी का भाव गुरुवार को 234 रहा, जो कल की तुलना में 1 रुपये अधिक है। 21 दिसंबर को चांदी का भाव 2,14,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। इसके बाद पिछले चार दिनों में कीमतों में कुल 20,000 रुपए की तेजी आई। 22 दिसंबर को यह 2,19,000 रुपए थी, और गुरुवार को तक 2,34,000 रुपए पर पहुच गई। पिछले तीन दिनों में ही चांदी के दामों में 15,000 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई। विश्लेषकों के अनुसार चांदी की बढ़ी हुई कीमत का मुख्य कारण मांग और आपूर्ति में असंतुलन है। लोग अब चांदी को सिर्फ आभूषण के लिए नहीं खरीद रहे, बल्कि इसे सुरक्षित निवेश के रूप में भी ले रहे हैं। इसके अलावा, सिल्वर ईटीएफ में निवेश लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी

अमेरिका में ब्याज दरों में कमी की उम्मीद और चीन में 2026 के बाद चांदी के निर्यात पर रोक की संभावना ने कीमतों को और मजबूती दी है।

## भारत में सोना 3 लाख प्रति 10 ग्राम के पार जाने की संभावना

**नई दिल्ली ।** एक अमेरिकी अर्थशास्त्री का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल आ सकता है। वर्तमान में 4,510 डॉलर प्रति औंस के मुकाबले 2029 तक सोना 10,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है और भारत में एमसीएक्स पर सोने का भाव 3 लाख प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। अर्थशास्त्री के अनुसार सोना केवल संकट से सुरक्षा नहीं देता बल्कि लंबी अवधि में निवेश का भी महत्वपूर्ण विकल्प है। इतिहास में बड़ी रैलियों ने निवेशकों की उम्मीद से अधिक लाभ दिया है। अमेरिकी शेयर बाजार के लिए वे सकारात्मक हैं, और 2026 तक एसएंडपी 500 इंडेक्स 7,700 तक पहुंच सकता है। भारत में 2025 कंसोलिडेशन का साल रहेगा, जबकि 2026 में नए अवसर बन सकते हैं।

## श्रम सुधारों को 2025 में बढ़ावा मिला, ईपीएफओ 3.0 लांच की तैयारी

**- श्रम संहिताएं 2026 में पूर्ण रूप से हो जाएंगी लागू**

**नई दिल्ली ।**

सरकार ने पांच साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो 2026 में पूर्ण रूप से लागू हो जाएंगी। इनसे 29 पुराने श्रम कानूनों को सरल और समेकित रूप में बदलकर न्यूनतम वेतन और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे भारतीय श्रम बाजार के लिए ऐतिहासिक सुधार बताया। 2026 में ईपीएफओ 3.0 लाया जाएगा, जो कर्मचारियों की भविष्य निधि, पेंशन और बीमा दावों को तेज और सुविधाजनक बनाएगा। निकासी प्रक्रियाओं के सरलीकरण से करोड़ों कर्मचारियों को उनकी बचत तक आसान पहुंच मिलेगी। ई-श्रम पोर्टल और राष्ट्रीय कैरियर सेवा प्लेटफॉर्म ने सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सेवाओं को व्यापक और समावेशी बनाया है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना अगले दो वर्षों में 3.5 करोड़ नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करेगी। पिछले दशक में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 से बढ़कर 64 फीसदी से अधिक हो गया है। ये सुधार कार्यस्थल पर स्पष्टता, समानता और पूर्वानुमेयता सुनिश्चित करेंगे, और भारत के आधुनिक, समावेशी श्रम बाजार की दिशा में बड़ा कदम हैं।

# भारत का अमेरिका को ट्रेड वार्ता पर प्रस्ताव.....50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत, कच्चे तेल पर पेनाल्टी हटाएं

**वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती**

**नई दिल्ली।**

भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में दो टूक प्रस्ताव दे दिया है। भारत चाहता है कि उस पर लगे कुल 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 15 प्रतिशत करे। इतना ही नहीं रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो अतिरिक्त 25 प्रतिशत पेनाल्टी लगाई है, उस पेनाल्टी को खत्म करे। दोनों देशों के बीच चल रही वार्ता से नए साल में कोई ठोस फैसला निकलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत जारी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति बन सकती है, हालांकि उन्होंने व्यापार समझौते को लेकर कोई तय समय सीमा नहीं जाहिर की है। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई। बातचीत दो मुद्दों पर हो रही है। पहला एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर और दूसरा अमेरिका की तरफ से भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फ्रेमवर्क समझौते पर सहमति। अगर अमेरिका भारत पर लगाया गया 50 टैक्स घटाकर 15 प्रतिशत कर देता है और रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत की पेनाल्टी हटा देता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में सस्ता होगा, जिससे वहां हमारा एक्सपोर्ट बढ़ेगा।

भारतीय कंपनियों को फायदा होगा, ज्यादा ऑर्डर मिलने और रोजगार के मौके बढ़ सकते हैं। भारत में डॉलर ज्यादा आएगा, इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वहीं भारत रूस से सस्ता तेल बिना डर के खरीद सकेगा, इससे पेट्रोल-डीजल के दाम काबू में रह सकते है। इतना ही नहीं दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होते और आगे बड़ा व्यापार समझौता आसान हो जाएगा।

लेकिन अगर अमेरिका टैरिफ कम नहीं करता और पेनाल्टी भी जारी रखता है। तब भारतीय सामान अमेरिका में महंगे होने वाले है। जिससे हमारी बिक्री घट सकती है। कुछ इंडस्ट्री पर दबाव पड़ेगा, मुनाफा घट सकता है और नौकरियों पर असर पड़ सकता है। रूस से तेल खरीदना महंगा या मुश्किल हो जाएगा, जिससे ईंधन के दाम बढ़ सकते हैं।

दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है और व्यापार समझौते में देरी हो सकती है।

अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसमें से 25 प्रतिशत को वे 'रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ' कहता है। जबकि 25 प्रतिशत रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि इससे रूस को यूक्रेन युद्ध जारी रखने में मदद मिल रही है। भारत का कहना है कि यह पेनाल्टी गलत है और तुरंत हटाया जाना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रूसी तेल आयात नवंबर में करीब 17.7 लाख बैरल प्रति दिन था, जो दिसंबर में घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। आने वाले समय में यह 10 लाख बैरल प्रति दिन से भी नीचे जा सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार बन गया था, जिस पर ट्रम्प प्रशासन ने कई बार सवाल उठाए हैं।

# एविएशन सेक्टर में तीन नई एयरलाइंस की जल्द होगी एंट्री.....मोदी सरकार ने शुरु की तैयारी

**शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को एनओसी जारी किया**

**नई दिल्ली।**

मोदी सरकार ने देश के एविएशन सेक्टर में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने के मकसद से तीन नई एयरलाइंस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) जारी किया है। इन एयरलाइंस के नाम शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस हैं।

यह फैसला तब लिया गया है, जब हाल ही में इंडिगो के ऑपरेशन से जुड़ी दिक्कतें सामने आई थीं। इसके बाद मोदी सरकार को लगा कि भारतीय एविएशन सेक्टर में ज्यादा कंपनियों और विकल्पों की जरूरत है। क्योंकि हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य भारतीय आसमान में ज्यादा एयरलाइंस को बढ़ावा देना है। केंद्र सरकार का मानना है कि नई एयरलाइंस के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा और ज्यादा विकल्प मिलते है।

वहीं हवाई इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इससे भारतीय एविएशन सेक्टर में नई प्रतिस्पर्धा शुरू होगी। हालांकि, इन नई एयरलाइंस के सामने असली चुनौती अब शुरू होती है। उन्हें पूंजी जुटानी होगी, विमान बेड़े को तैयार करना होगा और मजबूत नेटवर्क खड़ा करना होगा, ताकि वे सही मायनों में उड़ान भर सकें। जानकारों के मुताबिक, अगर ये एयरलाइंस सफल होती हैं, तब इसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा।

एनओसी मिलने का मतलब है कि केंद्र सरकार ने इन कंपनियों को एयरलाइन शुरू करने की आगे की प्रक्रिया शुरू करने की अनुमति दे दी है। अब अगला कदम डीजीसीए से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) लेना होगा। इसके साथ ही इन्हें विमान (फ्लीट), पायलट और स्टाफ, मेंटेनेंस और रूट नेटवर्क से जुड़ी सारी तैयारियां करनी होंगी। यह पूरी प्रक्रिया आमतौर पर कई महीनों तक चलती है। इसी दौरान यह साफ होता है कि कोई एयरलाइन आर्थिक रूप से कितनी मजबूत है और उड़ान संचालन के लिए कितनी तैयार है।

## घाटे में चल रही पा किस्तान की सरकारी एयरलाइन बिक गई

**नई दिल्ली ।** पाकिस्तान की सरकारी एयरलाइन (पीआईए) को वहां के एक कारोबारी ने 134 अरब पाकिस्तानी रुपये (4300 करोड़ रुपये) में खरीद लिया है। एयरलाइन लंबे समय से घाटे में थी। आईएमएफ की शर्तों के तहत घाटे वाली सरकारी कंपनियों की बिक्री जरूरी थी। आने वाले समय में और भी सरकारी कंपनियां बेची जा सकती हैं। चालू वित्त वर्ष के पांच महीनों (जुलाई-नवंबर 2025) में पाकिस्तान का कुल कर्ज 3.032 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 2.667 अरब डॉलर था। विदेशी कर्ज 46.2 फीसदी बढ़कर 2.521 अरब डॉलर हुआ, जबकि ग्रांट में 43 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। नवंबर में विदेशी सहायता 511 मिलियन डॉलर रही। इस महीने आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर की नई किश्त मंजूर की, जिससे कुल आईएमएफ सहायता लगभग 3.3 अरब डॉलर होगी।

# सोने की कीमतों में 2025 में रिकॉर्ड तेजी, 2026 में बढ़ने की संभावना

**- 1979 के बाद सोने की कीमतों में सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी**

**नई दिल्ली ।**

साल 2025 में सोने की कीमतों में 70 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जो 1979 के बाद सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी है। बुधवार को सोना पहली बार 4,500 डॉलर प्रति औंस के पार गया। निवेशक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और ब्याज दरों में कमी के कारण सोने जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सोने में इस साल तेजी सिर्फ अटकलों की वजह से नहीं है। अमेरिकी डॉलर की गिरावट ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत बढ़ा दी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक अपनी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए तेजी से सोना खरीद रहे हैं। खनन में निवेश की कमी, सप्लाई में रुकावटें और टैरिफ ने बाजार को सख्त कर दिया है, जबकि मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतें मुख्य रूप से अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर निर्भर करती हैं। जब फेड ब्याज दर घटाता है, तो सोने में तेजी देखने को मिलती है। फेड अगले साल दो बार ब्याज दरें कम कर सकता है, जिससे सोने की कीमत में और बढ़ोतरी संभव है। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि वर्तमान में कोई भी ऐसा कारण नहीं है जो सोने की कीमत को नीचे खींच सके। केवल केंद्रीय बैंक की सोने की खरीदारी में कमी ही कीमत में गिरावट ला सकती है। अगर यह नहीं होता, तो निवेशकों की स्थिति देखकर लगता है कि सोने में तेजी जारी रहेगी। विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि साल के अंत तक सोना 5,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। निवेशक और बाजार जानकार इसे सुरक्षित निवेश के रूप में देख रहे हैं, खासकर उस समय जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और महंगाई बनी हुई है।

## मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में 2.5 एकड़ जमीन 2,250 करोड़ में बिकी

**- प्राइम प्लॉट का आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपए था**

**मुंबई ।**

दक्षिण मुंबई के महालक्ष्मी इलाके में रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने 2.5 एकड़ का प्राइम प्लॉट 99 साल की लीज पर नीलामी के लिए रखा। आरक्षित मूल्य 993 करोड़ रुपये था। हालांकि, डेवलपर्स की प्रतिस्पर्धा ने इसे 2,250 करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया। यह अब तक मुंबई में लंबी अवधि के पट्टे पर किसी जमीन की नीलामी के लिए सबसे बड़ी बोली है। नीलामी में चार बड़े डेवलपर्स शामिल थे। दिनेशचंद्र आर अग्रवाल इन्फ्राकॉन ने सबसे बड़ी बोली लगाई। इसके बाद सोभा रियलिटी ने 1,232 करोड़ रुपये और लोढ़ा ग्रुप ने 1,161 करोड़ रुपये की बोली पेश की। इसके अलावा, आरएमजेड ग्रुप की एक इकाई भी इस नीलामी में हिस्सा ले रही थी। नीलामी के दस्तावेजों के अनुसार शुरुआती भुगतान लगभग 100 करोड़ रुपये होना तय है। कुल भुगतान 8 साल में राजस्व हिस्सेदारी के आधार पर किया जाएगा, जिसमें पहले 6 साल में 80 फीसदी राशि जमा करनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि महालक्ष्मी जैसे प्राइम इलाके में जमीन की इतनी उच्च बोली यह दर्शाती है कि निवेशक लंबी अवधि में मजबूत रिटर्न की उम्मीद में प्रीमियम कीमत देने को तैयार हैं। यह नीलामी मुंबई में प्राइम ज़मीन की बढ़ती मांग और केंद्रीय रूप से स्थित, तैयार-से-विकसित ज़मीन की आकर्षकता को भी रेखांकित करती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सौदा संकेत देता है कि मुंबई के प्राइम लोकेशन में निवेशकों का भरोसा मजबूत है। लंबे समय तक रिटर्न की संभावना और सिटी सेंटर लोकेशन के कारण प्राइम जमीन में निवेश तेजी से बढ़ रहा है।

## साल 2025 बिटकॉइन के लिए मिला-जुला रहा

**- व्हेल्स की भारी बिकवाली से दबाव बढ़ा**

**नई दिल्ली ।**

साल 2025 बिटकॉइन (बीटीसी) के लिए मिला-जुला रहा। इस साल बिटकॉइन ने कई नई ऊंचाइयां छुईं लेकिन कीमतें अस्थिर रहीं। एक ऑन-चेन विश्लेषक के अनुसार पिछले 12 महीनों में बड़े निवेशकों यानी व्हेल्स ने 1,61,294 बिटकॉइन बेचे, जिसकी कीमत लगभग 15 अरब डॉलर है। उनका कहना है कि इस तरह की बिकवाली आमतौर पर बाजार में गिरावट के पहले या दौरान होती है, न कि पहले से गिर चुकी कीमतों पर। व्हेल्स की भारी बिकवाली के कारण बिटकॉइन की कीमत में कई बार अचानक गिरावट देखी गई। फिलहाल यह 87,000 डॉलर के नीचे कारोबार कर रहा है। निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ है क्योंकि बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। सभी बड़े निवेशक बिकवाली नहीं कर रहे हैं। मध्यम आकार के निवेशक, जिन्हें शार्क कहा जाता है, पूरे साल शुद्ध खरीदार रहे। शार्क्स की खरीदारी ने व्हेल्स के दबाव को कुछ हद तक कम किया और संकेत दिया कि बाजार का प्रभाव धीरे-धीरे छोटे और मध्यम निवेशकों की ओर बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर व्हेल्स की बिकवाली का सिलसिला साल 2026 में भी जारी रहा, तो बिटकॉइन के लिए टिकाऊ रिकवरी मुश्किल हो सकती है। इसका मतलब है कि अगले साल भी कीमतों में गिरावट का खतरा बना रह सकता है और तेजी के रुझान कमजोर हो सकते हैं।

# एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने होम लोन की ब्याज दरें घटाई

**- नई ब्याज दरें सिबिल स्कोर पर आधारित**

**नई दिल्ली ।**

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने अपने होम लोन की ब्याज दरें घटाकर 7.15 फीसदी से शुरू कर दी हैं। ये दरें अब ग्राहकों के सिबिल स्कोर और लोन राशि पर निर्भर करेंगी। उच्च सिबिल स्कोर वाले ग्राहकों को कम ब्याज दर का फायदा मिलेगा। जिन ग्राहकों का सिबिल स्कोर 825 या उससे अधिक है, वे 5 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.15 फीसदी और 5 करोड़ से 15 करोड़ रुपये तक के लोन पर 7.45त्न ब्याज दर का लाभ उठा सकते हैं। सिबिल स्कोर 800-824 वाले ग्राहकों को 7.25 से 7.55 तक, 775-799 वाले ग्राहकों को 7.35 से 7.65 फीसदी तक ब्याज देना होगा। सिबिल स्कोर 600-774 वाले ग्राहकों के लिए दरें 7.35 से 9.50 फीसदी तक होंगी। 600 से कम स्कोर वाले ग्राहकों के लिए ब्याज दर 9.55 से 10 फीसदी तक रहेगी। नई दरें न केवल नए लोन पर बल्कि पुराने लोन को एलआईसी में ट्रांसफर करने पर भी लागू होंगी। इससे घर खरीदना और भी आसान हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

**मेलबर्न (एजेंसी)।** स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले ही पांच मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऐसे में उसको मनोबल बढ़ा हुआ है जिससे वह इस चौथे टेस्ट मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस और स्पिनर नाथन लियोन नहीं खेल रहे। कमिंस को कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया है। वहीं लियोन चोटिल होने के कारण बाहर है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह तेज गेंदबाजों के भरोसे उतरेगी। बॉक्सिंग डे टेस्ट में नाथन लियोन की जगह टॉड मर्फी को अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉजेट और जे रिचडर्सन में से किसी दो अंतिम एकादश में जगह मिलना तय है। अगर रिचडर्सन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला रेड-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं। इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे 7 पर उतारा जाएगा। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे ऐलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के बिना उतरेगी। आर्चर चोटिल होने के कारण बाहर हो गये हैं। के लिए अब भी कोई जगह नहीं है। उनकी जगह पर गस एटकिंसन को शामिल किया गया है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशीर को इस बार भी टीम में जगह नहीं मिली है। इंग्लैंड को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो बेहतर बल्लेबाजी और गेंदबाजी करनी होगी। अनुभवी बल्लेबाज जो रुट को बड़ी पारी खेलनी होगी।

बेन डकेट से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इस मैच में ऑली पोप की जगह पर जैकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए शामिल किया गया है। टीम की बल्लेबाजी रुट के अलावा जैक क्रॉली व हैरी ब्रुक पर भी आधारित रहेगी। जहां तक पिच की बात है मेलबर्न की इस पिच से तेज गेंदबाजों को अच्छी सहायता मिलने की संभवना है।

### टीम इस प्रकार है

**ऑस्ट्रेलिया :** स्टीव स्मिथ (कप्तान), जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, उस्मान खवाजा, ऐलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, माइकल नीसर,मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉजेट/जे रिचडर्सन, स्कॉट बोलैंड

**इंग्लैंड:** बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जॉश टंग

## सिंधु बनी बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को 2026-2029 तक के लिए विश्व बैडमिंटन संघ (बीडब्ल्यूएफ) के एथलीट्स कमीशन की चेयरपर्सन बनाया गया है। ऐसे में पूर्व ओलंपिक पदक विजेता सिंधु अब बीडब्ल्यूएफ काउंसिल में सदस्य के तौर पर काम करेंगी जिससे खिलाड़ियों के हित की बातें इस संस्था के जरिये वह उठा सकेंगी। इस दौरान उन्हें विश्वस्तर पर भागीदारी में भी सहायता मिलेगी। वहीं नीदरलैंड की डेबोरा जिल को सिंधु की सहायक बनाया गया है। सिंधु ने कहा, साथी एथलीटों द्वारा यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और के साथ स्वीकार करती हूं। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए चेयरपर्सन रही ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास अब हर खिलाड़ी की आवाज उठाने का एक मध्यम आ गया हे। यह एक शानदार अवसर है। मैं इसमें हर खिलाड़ी का प्रतिनिधित्व करने और सार्थक, स्थायी बदलाव के लिए लड़ने के लिए बीडब्ल्यूएफ मीडिया के साथ मिलकर काम करने को लेकर पूरी तरह गंभीर हूं।

## बुमराह और ऋषभ ने अपने कमेंट पर मुझसे माफी मांगी थी : बावुमा

**जोहांसबर्ग (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा है कि भारत दौरे में कुछ बातों को लेकर उनका तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से विवाद हुआ था हालांकि दोनो ने ही बाद में उनसे मुलाकत कर खेद जताया था। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस दौरे में भारतीय टीम को 2-0 से हरा दिया था। सीरीज का पहला टेस्ट कोलकाता में खेला गया था। इसी टेस्ट में बुमराह और ऋषभ ने बावुमा की कम लंबाई पर टिप्पणी करते हुए उन्हें बौना कहा था। जिसकी मीडिया में काफी आलोचना भी हुई थी। बावुमा ने कहा है कि इसके बाद ऋषभ और बुमराह ने उनसे इस मामले में माफी मांग ली थी।

वहीं बावुमा ने मान कि कोच शुकरी कॉनराड ने भारतीय टीम को घुटने पर लाने जैसे जो टिप्पणी की थी वह गलत थी। उन्हें इस प्रकार की बात नहीं कहनी चाहिये थी।

बावुमा ने कहा, 'मुझे पता है कि मेरे साथ एक घटना हुई थी जहां भारतीय खिलाड़ियों ने मुझे कुछ कहा था पर मैच समाप्त होने के बाद ऋषभ और बुमराह आए और उन्होंने माफी मांगी।' उन्होंने कहा, 'तब मुझे नहीं पता था कि यह किस बारे में थी। मैंने उस समय इसके बारे में सुना नहीं था और मुझे फिर इस बारे में अपने मीडिया मैनेजर से बात करनी पड़ी थी।'

बावुमा ने आगे कहा, मैदान पर जो होता है उसे हम मन में नहीं रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देते हैं।

## श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने उतरेगी भारतीय टीम

**तिरूवनंतपुरम (एजेंसी)।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां श्रीलंकाई टीम के खिलाफ होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही पांच मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम पहले दोनो ही मैचों में जीत के साथ ही अभी सीरीज में 2-0 से आगे है। भारतीय टीम ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारतीय टीम अभी तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में मेजबान टीम पर भारी पड़ी है। भारतीय टीम की ओर पहले मैच में जेमिमा रौड्रिग्स जबकि दूसरे में शेफाली वर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं गेंदबाजी भी अबतक अच्छी रही है। स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रनों पर ही समेट दिया था। एन श्रीचरणी, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ ने अब तक दोनो ही मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम को हालांकि फिल्डिंग पर ध्यान देना होगा। अब तक के दोनो ही मैचों में उसने काफी अवसर खोये। पहले मैच में पांच कैच गिरे जबकि दूसरे मैच में तीन रन आउट के अवसर उसने गंवाए।

वहीं श्रीलंका को उम्मीद इस मैच में जीतकर सीरीज में हार टालना चाहेगी। पहले दोनो ही मैचों में उसके बल्लेबाज और गेंदबाज असफल रहे थे। अब उसे अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। उसकी बल्लेबाजी में भी निरंतरता की कमी रही है। दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

**भारत :** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

**श्रीलंका :** चामरी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, विष्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

## ब्राजील के फोन्सेका ने टॉप 15 टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने का रखा लक्ष्य

रियो डी जेनेरो । ब्राजील के टीनएजर जोआओ फोन्सेका ने अगले साल दुनिया के टॉप 15 पुरुष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है, क्योंकि वह अपनी हालिया प्रगति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। 19 साल के इस खिलाड़ी ने 2025 में दो खिताब जीते, जो एटीपी टूर पर उनका पहला पूरा सीजन था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह इसे सिर्फ़ एक शुरुआत मानते हैं। रियो डी जेनेरो में जन्मे फोन्सेका ने मैगज़ीन वेजा को बताया, 'मेरा इरादा दुनिया के टॉप 15 में जगह बनाने का है। यह थोड़ा मुश्किल है, लेकिन मैं बड़ा सोच रहा हूं। मैं बिना उतार-चढ़ाव के लगातार अच्छे नतीजों पर भी ध्यान दूँगा।' फोन्सेका ने इस साल 113वीं रैंक से शुरुआत की थी, लेकिन ब्यूनस आयर्स (एटीपी 250) और बेसल (एटीपी 500) में जीत के बाद वह 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं। 2025 में उनकी अन्य उपलब्धियों में फ्रेंच ओपन और विंबलडन में तीसरे राउंड तक पहुंचना शामिल है। उन्होंने टेनिस के अलावा नए साल के कुछ और संकल्पों के बारे में भी बात की। फोन्सेका ने कहा, 'अपने खाली समय में, मैं इटैलियन सीखना चाहता हूं, पोकर कोर्स करना चाहता हूं और अपने पैसे मैनेज करना चाहता हूं।' ब्राजील के एकमात्र पुरुष ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन गुस्तावो कुएटर्न हैं, जिन्होंने 1997, 2000 और 2001 में फ्रेंच ओपन जीता था।

## टी20 विश्वकप से पहले लय में आये रिंकू, विजय हजारे ट्रॉफी में खेली आक्रामक पारी

नई दिल्ली । विजय हजारे ट्रॉफी में फिनिशर रिंकू सिंह ने अच्छा प्रदर्शन किया है। नये साल में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले रिंकू के लय में आने से भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिलेगी। पिछले कुछ समय से रिंकू का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था इससे बाद भी प्रबंधन ने उन्हें फिनिशर के तौर पर भारतीय टीम में शामिल था। वहीं अब रिंकू ने विजय हजारे ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश की कप्तानी करते हुए हैदराबाद के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताओं को साबित किया है। रिंकू ने 48 गेंद में 139.58 के स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाए। ऐसे में प्रशंसकों को उसने इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। रिंकू भारतीय टी20 टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाते हैं। रिंकू ने अंतिम बार एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। तब उन्हें केवल एक गेंद खेलने का अवसर मिला था। रिंकू ने उसपर चौक लगाकर भारतीय टीम को खिताबी जीत दिलायी थी। उनको सिर्फ एक बॉल खेलने का मौका मिला था और उन्होंने उसी पर चौका लगाकर भारत को फाइनल जिताया था। वहीं रिंकू के अलावा आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की ओर से खेलने वाले पंजाब के बल्लेबाज नमन धीर ने भी विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी की है। नमन ने महाराष्ट्र के खिलाफ 97 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। नमन को उनकी इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी दिया गया। नमन मुम्बई के भरोसेमंद खिलाड़ियों में है।

## डब्ल्यूपीएल में दिल्ली कैपिट्ल्स की कप्तानी करेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

**मुम्बई (एजेंसी)।** दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए मेग लैनिंग की जगह बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स को कप्तान बनाया है। लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली की टीम तीन बार टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंची है पर एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी है। दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक पार्थ जिंदल ने पहले ही कहा था कि इस बार टीम की कमान किसी भारतीय खिलाड़ी को ही दी जाएगी। दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज लाउरा वोलवार्ट भी शामिल हैं। वोलवार्ट की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम महिला विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी पर इसके बाद भी दिल्ली ने जेमिमा पर भरोसा जताया है।

डब्ल्यूपीएल में जेमिमा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इस बल्लेबाज ने 27 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही 28.16 के औसत से 507 रन बनाए हैं, और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 139.66 का रहा है। उनका इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक स्कोर नाबाद 69 रन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने पहले मुकाबले में 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस से खेलेगी।

जेमिमा ने कप्तान बनाये जाने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा, दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं टीम के मालिकों और सहयोगी स्टाफ की आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए मुझे इस टीम का नेतृत्व करने का अवसर दिया। यह शानदार अवसर मिलना मेरे और मेरे परिवार के लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पिछले तीन वर्षों में बहुत कुछ सीखा है और दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने कुछ बेहतरीन पल साझा किए हैं। हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं मैदान में उतरने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि हम एक बहुत ही अच्छे सत्र की उम्मीद कर रहे हैं।

### दिल्ली कैपिटल्स टीम

जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, मारिजाने कप्प, एनाबेल सदरलैंड, निकी प्रसाद, लाउरा वोलवार्ट, चिनेले हेनरी, श्री चरणी, स्नेह राणा, लिजेल ली, दीया यादव, तानिया भाटिया, ममता मादीवाला, नंदनी शर्मा, लुसी हैमिल्टन, मिन्नू मणि।

## जयपुर के सुभाष ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौधरी ने हांगकांग इंटरनेशनल जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में ब्वायज अंडर 17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। कोच खांगा राम चौधरी ने बुधवार को बताया कि यह प्रतियोगिता हांगकांग में 19 से 24 दिसम्बर तक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि सुभाष चौधरी जयपुर की नीरजा मोदी स्कूल 10वीं कक्षा का विद्यार्थी है। इसके फिटनेस कोच अंकित मानावता है और सुभाष ने पहले राउंड में बाई मिली, दूसरे राउंड में हांगकांग के ली हो सोम को 11-6, 11-6, 11-8 से, प्री क्वार्टर में मकाऊ के तम हाऊ इन को 11-0, 11-4, 11-4 से हराया। इससे पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के हा चूं हीन को 11-5, 9-11, 11-6, 11-8, और सेमी फाइनल में हांगकांग के युएन तज लांग को 11-5, 11-5, 11-2 से तथा फाइनल मुकाबले में सिंगापुर के रेहान सिंह को 11-4, 11-4, 11-5 से हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

## इस साल सबसे अधिक रनों का शुभमन का रिकार्ड तोड़ पायेंगे रुट !

मेलबर्न । इंग्लैंड के जो रुट के पास इस साल सबसे अधिक रनों का रिकार्ड अपने नाम करने का अच्छा अवसर है। अभी तक इस साल सबसे ज्यादा रन भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के नाम हैं। भारत के टेस्ट व एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन ने इस साल तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 1764 रन के साथ नंबर-1 पोजीशन हासिल की हुई है। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के शाई होप हैं उनके नाम 1760 रन पर हैं। वहीं इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज रूट के नाम 1598 रन हैं और वह शुभमन से 167 रन पीछे हैं। वेस्टइंडीज और भारतीय टीम को अब इस साल कोई और मैच नहीं खेलना है। ऐसे में अब शुभमन और होप और ज्यादा रन नहीं बना सकते। वहीं रुट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 26 दिसंबर से एक टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में रुट के पास दो पारियों मे शुभमन का रिकार्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। अब देखना है कि वह इसमें सफल रहते हैं या नहीं। रूट अगर चौथे एशेज टेस्ट में शतक लगाने में सफल हुए तो वह शुभमन को पीछे छोड़कर पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं। वहीं इस साल सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में ब्रायन बेनेट 1585 और आगा सलमान- 1569 रन हैं।

## मुश्किल हालात में कमान संभालने के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की जरूरत है : पीआर श्रीजेश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एसजी पाइपर्स हॉकी के डायरेक्टर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अगर फ्रेंचाइजी को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आने वाले सीजन में अच्छा प्रदर्शन करना है, तो अनुभवी खिलाड़ियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभानी होगी, खासकर जब हालात ठीक न हों।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले सीजन में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद टीम बिखर गई, टीम को संभालने वाला कोई लीडर नहीं था, अनुभवी खिलाड़ियों को आगे आकर कमान संभालनी चाहिए थी। इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए।' एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी में टेबल में सबसे नीचे रही थी। श्रीजेश, जो जूनियर इंडिया हॉकी टीम के हेड कोच भी हैं, ने बताया कि पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व देने के लिए चुना गया है।

'रूपिंदर को चुनने के पीछे मेरा विचार यह था कि हमें एक मेंटर की जरूरत है, हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो मैदान पर टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। हम उनका समझदारी से इस्तेमाल करेंगे ताकि उनसे ज़्यादा से ज़्यादा फायदा मिल सके।' पद्म भूषण पुरस्कार विजेता, जिनके नेतृत्व में भारत की जूनियर हॉकी टीम ने 2025 के हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था, ने कहा कि वह परिणाम से खुश हैं, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से विश्लेषण किया जाएगा।

'कांस्य पदक अच्छा है, इन युवा खिलाड़ियों के पास अपने सभी प्रयासों का नतीजा दिखाने के लिए कुछ है, हालांकि, महत्वपूर्ण यह है कि वे समझें कि वे सेमीफाइनल में या पूरे टूर्नामेंट में और क्या कर सकते थे। इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, शायद किसी दूसरे शहर में, और उन्हें उनसे निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहना होगा।'

उन्हें लगा कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। 'मुझे लगा कि जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान मैं कुछ चीजें बेहतर कर सकता था, टैक्टिकली और फैसले लेने के मामले में भी। हालांकि मेरे ज़्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो इनडायरेक्ट वेरिएशन किए थे, हमने वही वेरिएशन उनके खिलाफ लगातार आजमाए और वे काम आए, साथ ही, मेरा एक और शानदार फैसला यह था कि आखिरी फ्लिक के लिए रोहित की जगह मैंने अनमोल को लेने के लिए कहा, जो सही साबित हुआ।'

श्रीजेश, जिन्होंने तीन बार FIH गोलकीपर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता है, ने एक खिलाड़ी और एक कोच होने के बीच कुछ बड़े अंतर बताए। उन्होंने कहा, 'मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और मुझे नए ग्रुप के साथ शुरू से शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। एक खिलाड़ी के तौर पर, प्रोग्रेस लीनियर होती है 1 से 10, फिर 10 से 15, 15 से 20 और इसी तरह, लेकिन एक कोच के तौर पर आप 20 तक पहुंचते हैं, फिर जब नया बैच आता है तो आप फिर से एक से शुरू करते हैं।'

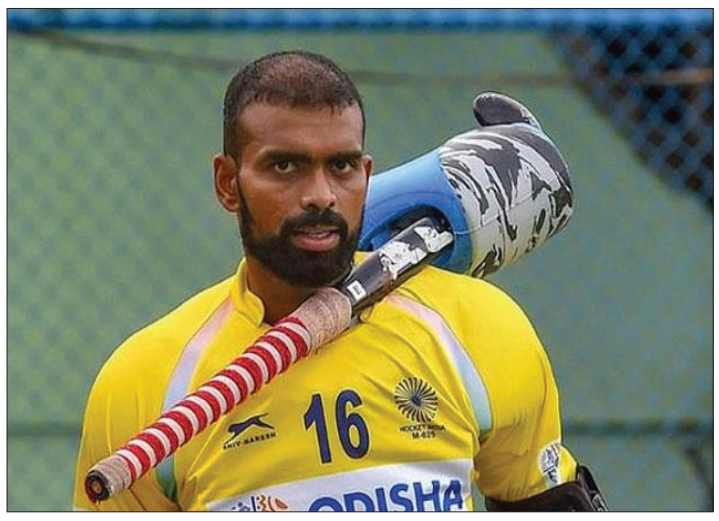

## जोकोविच की नजरें ऑस्ट्रेलियाई ओपन पर लगीं

माल्टा । सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की नजरें अब अगले साल होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन पर लगी हैं। इसमें वह रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगे। इससे पहले वह एडिलेड इंटरनेशनल में उतरकर अपनी तैयारियों की समीक्षा करेंगे। हैं। इसी को देखते हुए जोकोविच ने नये ट्रेनिंग पार्टनर फ्रांस के आर्थर काजॉक्स के साथ अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे काजॉक्स बेहद उत्साहित हैं। इस युवा खिलाड़ी ने लिखा, तीन शानदार दिन, ट्रेनिंग, सीखने और एक महान खिलाड़ी के साथ अनुभव साझा करने का अवसर मिला। बहुत आभारी हूं। काजॉक्स ने साल 2025 में अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 58 हासिल की। उन्होंने एटीपी फाइनल में खेलते हुए कई बड़े खिलाड़ियों को हराया और ग्रैंड स्लैम स्तर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन में दो जीत दर्ज की। इस प्रदर्शन से प्रभावित होकर ही जोकोविच ने उन्हें ट्रेनिंग पार्टनर बनाया है। इस साझेदारी से दोनों खिलाड़ियों को लाभ हो रहा है। जहां जोकोविच एक युवा से खेलकर इससे अपने खेल को और बेहतर बना रहे हैं। वहीं काजॉक्स को एक शीर्ष खिलाड़ी से खेलने के कारण सीखने का मिल रहा है। जोकोविच जैसे खिलाड़ी के साथ अभ्यास करने से काजॉक्स को तकनीक और रणनीति बनाने का भी अनुभव हो रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सर्दियों में छोटे बच्चों को कैसे नहलाएं? ठंड से बचाकर ऐसे करें सही देखभाल

सर्दियों में छोटे बच्चों को नहलाना चुनौती भरा हो सकता है। दरअसल, ठंड के कारण उन्हें जल्दी सर्दी-जुकाम हो जाता है। ऐसे में सही तरीकों और कुछ आसान उपायों की मदद से आप बच्चे को सुरक्षित तरीके से नहला सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में बच्चों की देखभाल करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। खासकर जब बच्चों के नहाने की बात हो तो और भी परेशानी होने लगती है। दरअसल, इस मौसम में ठंडी हवा और कम तापमान के कारण ठंडा पानी उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि छोटे बच्चों को नहलाते समय कुछ खास तरह की सावधानियां बरती जाएं, जिससे वे ठंड से सुरक्षित रहें और उनकी स्किन भी हेल्दी बनी रहे।

### बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखें ध्यान?

### गुनगुने पानी से करवाएं स्नान

सर्दी के मौसम में बच्चों को नहलाने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का उपयोग करें। हालांकि, बच्चों को नहलाते समय इस बात का ध्यान रखें कि पानी अधिक गर्म न हो। इसके लिए पानी को पहले अपने हाथों से चेक कर लें। बच्चों को दोपहर में नहलाना बेहतर होता है। दोपहर में हल्की धूप निकलती है, जिससे उन्हें ठंड नहीं लगती।

### नहलाने के बाद तुरंत अच्छी तरह पोंछें

छोटे बच्चों का शरीर ठंड बहुत जल्दी पकड़ता है। ऐसे में बच्चों को नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। इस दौरान उनके शरीर के हर हिस्से से पानी पूरी तरह हटा दें। नहलाने के तुरंत बाद बच्चों को गर्म और मुलायम कपड़े पहनाएं, ताकि उनके शरीर में ठंडी हवा न लगे।

### हल्के गुनगुने तेल से करें मालिश

सर्दी के मौसम में स्नान के बाद बच्चों को हल्की मालिश करना बेहद फायदेमंद होता है। नहलाने के बाद बच्चे के शरीर पर हल्के गर्म तेल से नरम हाथों से मसाज कर सकते हैं। इससे शरीर में गर्माहट बढ़ती है और उनकी त्वचा भी मॉइस्चर रहती है।

### ज्यादा देर तक कपड़े न उतारें

सर्दियों में बच्चों को नहलाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनके कपड़े अधिक समय तक न उतरे रहें। बच्चों को नहलाते समय कमरे को हल्का गर्म रखें, जिससे उन्हें सर्दी नहीं लगेगी।

### हर रोज न नहलाएं

सर्दी के मौसम में बच्चों को हर रोज नहलाना जरूरी नहीं होता है। अगर बहुत अधिक ठंड हो तो बच्चों को नहलाने से बचें। इस दौरान मुलायम स्पंज से उनके बॉडी को सही से पोंछ सकते हैं। अगर बच्चों को नहला रहे हों, तो गर्म पानी और तौलिया पहले से ही तैयार रखें।

# कमजोरी दूर करने के लिए बच्चों को क्या खिलाएं?

कमजोर बच्चे को वजन बढ़ाने और ताकत के लिए संतुलित और पौष्टिक आहार दें, जिसमें दूध, दही, पनीर, दालें (मूंग, चना), सोयाबीन, मूंगफली, अंडे, केले, आलू, और घी शामिल हों; साथ ही बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे और मखाना भी दें, क्योंकि ये कैलोरी, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी हैं।

### आहार में शामिल करें:

डेयरी उत्पाद: फुल फैट दूध, दही, पनीर, छाछ, लस्सी दें, या दूध में केला और मेवे मिलाकर शेक बनाकर दें।

अनाज और दालें: साबुत अनाज (दलिया, रोटी), दालें (मूंग, मटकी, चना), सोयाबीन, और क्विनोआ दें।

मेवे और बीज: बादाम, अखरोट, काजू, किशमिश, मखाना और पोस्ता दाना दें, सूखे मेवों का पेस्ट बनाकर दें।

फल और सब्जियां: केला, आलू, और आंवला (विटामिन सी के लिए) शामिल करें।

अन्य ऊर्जावान चीजें: अंडे (प्रोटीन और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए), घी (ऊर्जा और फैट के लिए), और च्यवनप्राश (रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए) दें।

### कुछ अतिरिक्त सुझाव:

छोटे-छोटे आहार: बच्चे को एक बार में ज्यादा खिलाने के बजाय, थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बार-बार पौष्टिक आहार दें।

पानी की जगह जूस/छाछ: खाने के साथ पानी की बजाय दूध, छाछ, या फलों का जूस दें।

आकर्षक भोजन: बच्चों को स्वादिष्ट और रंगीन खाना दें ताकि वे खाने के लिए उत्साहित हों।

घी का प्रयोग: पराठे या दाल में घी डालकर दें, यह एनर्जी का अच्छा स्रोत है।

**स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है।**

# हरड़ का उपयोग हर मौसम में फायदेमंद

स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी है। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवंती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रे, पीली हर्रे और बड़ी हर्रे। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल है। यह कॉम्ब्रेटेसी परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है।

इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए।

यह कफ वात व पित जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्यास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है। खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित रोग और कसैलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में सेंधा नमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सोंठ के साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए।

खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है

छोटी हर्रे का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है।

इसका चूर्ण गुड़ व गिलोय के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है।

इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है

मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है।

इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रे को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

# सर्दियों में रोजाना तिल खाने से मिलेंगे अद्भुत फायदे

अक्सर हम छोटी-छोटी प्राकृतिक चीजों की अहमियत को कम आंकते हैं। इनमें से एक है तिल, जो खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आयुर्वेद और विज्ञान दोनों के मुताबिक शरीर के लिए कई तरह से लाभकारी है। यह शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है, साथ ही बीमारियों से बचाव और शरीर को मजबूत बनाने में भी मददगार है। आयुर्वेद के अनुसार, तिल की तासीर गर्म होती है। सर्दियों में इसका सेवन करने से शरीर गर्म रहता है और ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। तिल के नियमित सेवन से शरीर में गर्मी बनी रहती है, जिससे थकान और कमजोरी कम होती है। आयुर्वेद में इसे 'सर्वदोष हारा' भी कहा गया है, क्योंकि यह वात और कफ दोनों को संतुलित करता है, जो शरीर में ठंडक, जोड़ों में दर्द और कब्ज जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

विज्ञान के अनुसार, तिल में एंटीऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर में मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को रोकते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और जवान बनाए रखते हैं। नियमित सेवन से त्वचा पर झुर्रियां कम होती हैं, रंग निखरता है, और त्वचा की चमक बढ़ती है। इसके साथ ही, तिल में मौजूद सेसामोलिन और सेसामिन जैसे तत्व शरीर में सूजन को कम करते हैं और दिल की सेहत को भी बनाए रखते हैं। तिल में अनसैचुरेटेड फैटी एसिड मौजूद होता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इससे दिल स्वस्थ बना रहता है और ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। इसका नियमित सेवन दिल की बीमारियों, एथेरोस्क्लेरोसिस और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

तिल ऊर्जा का भी अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम शरीर को ताकत देते हैं। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए तिल हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। आयरन एनीमिया को रोकने में भी लाभकारी है। साथ ही, तिल का सेवन पाचन को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्या को दूर रखता है। इसके अलावा, तिल का प्रयोग कुछ बीमारियों में राहत देने के लिए भी किया जाता है। आयुर्वेद में माना जाता है कि तिल का तेल जोड़ों के दर्द, गठिया और मांसपेशियों की कमजोरी को दूर करने में मदद करता है। वैज्ञानिक रिसर्च में भी इसे सूजन कम करने और शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करने वाला बताया गया है।

# ज्यादा नमक से बीपी ही नहीं डायबीटीज का भी खतरा

नमक हमारी सेहत के लिए कितना जरूरी है, इससे कोई अनजान नहीं है। यह शरीर में कई तरह की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। लेकिन ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर की समस्या होती है यह तो हम सब जानते हैं। हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक खाने से डायबीटीज होने का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रत्येक 2.5 ग्राम अतिरिक्त नमक के सेवन से टाइप 2 डायबीटीज का खतरा 43 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। रिसर्च में बताया गया है कि जो लोग हर दिन तकरीबन 7.3 ग्राम

नमक का सेवन करते हैं, इनमें उन लोगों के मुकाबले डायबीटीज का खतरा ज्यादा होता है जो लोग हर दिन 6 ग्राम तक नमक का सेवन करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि नमक में मौजूद सोडियम इंसुलिन प्रतिरोध पर सीधा असर डालता है। इस वजह से हाई ब्लड प्रेशर और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन वयस्कों में लेटेंट ऑटोइम्यून डायबीटीज का खतरा बढ़ा देता है।

रिसर्च के मुताबिक सोडियम के प्रभाव से लेटेंट ऑटोइम्यून डायबीटीज का खतरा हर दिन प्रति ग्राम सोडियम पर 73 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। नमक में मौजूद सोडियम इसका प्रमुख कारण है। इसलिए अपने खाने में नमक कम डालें। नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन आपके रक्त संचरण और ब्लड प्रेशर को बिगाड़ सकता है। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

# गुड़ और चना

## शरीर को ऊर्जा देने के प्राकृतिक स्रोत

हेल्थ एक्सपर्टस की माने तो चना और गुड़ को अपनी डाइट में शामिल करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन दोनों में आयरन, कैल्शियम और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाते हैं।

गुड़ और चना शरीर को ऊर्जा देने का प्राकृतिक स्रोत हैं। अगर आप दिनभर थकान और सुस्ती महसूस करते हैं, तो इनका नियमित सेवन आपको ऊर्जावान बनाए रख सकता है। इनमें मौजूद कैल्शियम, मिनरल्स और आयरन शरीर को आवश्यक पोषण देते हैं और कमजोरी को दूर करते हैं। इसके अलावा, पाचन तंत्र की समस्या जैसे कब्ज से राहत पाने के लिए भी यह एक कारगर उपाय है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बाहर के अस्वस्थ भोजन या अनियमित दिनचर्या के कारण कई बार पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में चना और गुड़ पेट साफ करने और पाचन क्रिया को दुरुस्त करने में सहायक होते हैं। गुड़ ब्लड को साफ करने का काम करता है, जबकि चना शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा, जो लोग अपने वजन को नियंत्रित करना चाहते हैं, उनके लिए भी यह फायदेमंद है। चने में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो भूख को नियंत्रित करके वजन घटाने में मदद करता है। साथ ही, यह हड्डियों को मजबूत करने का भी काम करता है, जिससे सर्दियों में जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग अक्सर बीमार पड़ते हैं। चना और गुड़ का सेवन इम्यूनिटी को मजबूत करता है और शरीर को संक्रमण से बचाने में सहायक होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका नियमित सेवन करने से शरीर को संपूर्ण पोषण मिलता है और कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव होता है। इसलिए, सेहतमंद जीवन के लिए चना और गुड़ को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण हम अक्सर जरूरी पोषक तत्वों की कमी का शिकार हो जाते हैं, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## एक करोड़ का इनामी नक्सली गणेश उइके ढेर, पांच अन्य नक्सली भी मुठभेड़ में मारे गए

कंधमाल (एजेंसी)। ओडिशा के कंधमाल जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी नेता गणेश उइके समेत छह नक्सली मारे गए। राज्य में नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, यह मुठभेड़ चकापाद पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले घने जंगलों में हुई। मारा गया गणेश उइके (69 वर्ष) सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और ओडिशा में इस प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था, जिस पर प्रशासन ने 1.1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मूल रूप से तेलंगाना के नलगोंडा जिले का रहने वाला उइके, पक्का हनुमंतु और राजेश तिवारी जैसे कई नामों से भी जाना जाता था।

**सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी उपलब्धि**

पुलिस ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में गणेश उइके के अलावा पांच अन्य नक्सली भी मारे गए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल अन्य तीन नक्सलियों की पहचान नहीं हो पाई है। सुरक्षा बलों के लिए इसे एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है क्योंकि उइके लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की रडार पर था और क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों मे शामिल था। फिलहाल इलाके में अभी भी तलाश अभियान जारी है।

## काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन का बड़ा फैसला... वीआईपी प्रोटोकॉल और स्पर्श दर्शन पर रोक

वाराणसी (एजेंसी)। नए साल का उत्साह अभी से देशभर में देखने को मिल रहा है। इसी उत्साह और आस्था के चलते देश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में शामिल वाराणसी में श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढने लगी है। खासतौर पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। लगातार बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अगले आदेश तक काशी विश्वनाथ मंदिर में वीआईपी दर्शन, प्रोटोकॉल के जरिए होने वाले दर्शन और स्पर्श दर्शन पर रोक लगा दी गई है। आस्थावान श्रद्धालु नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना के साथ करने के लिए अभी से वाराणसी पहुंचने लगे हैं। शीतकालीन छुट्टियों और अंग्रेजी कैलेंडर के नववर्ष के कारण काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ गई है। इसी के चलते मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में भारी भीड़ देखी जा रही है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुचारू दर्शन व्यवस्था को बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सभी श्रद्धालुओं को समान रूप से दर्शन की सुविधा देने पर जोर दिया जा रहा है। बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए विशेष या विशिष्ट दर्शन की अनुमति फिलहाल संभव नहीं है।

## मुर्गों की लड़ाई के दौरान व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रांची (एजेंसी)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में 35 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विजय तिर्की चिलगु में मुर्गों की लड़ाई देखने गया था, तभी वहां पहले से इंतजार कर रहे हथियारबंद लोगों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, विजय आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने विजय को कई गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी के अनुसार, विजय की व्यक्तिगत दुश्मनी या गैंगवार के कारण हत्या करने की आशंका है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा, ''हमने कुछ संदिग्धों की पहचान कर ली है। उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

## सेना के जवानों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल की परमीशन-वॉट्सएप, टेलीग्राम पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने जवानों के सोशल मीडिया एप्स के इस्तेमाल को लेकर नई पॉलिसी जारी की है। इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे हालांकि कमेंट करने की परमीशन नहीं है। वॉट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यू-ट्यूब और एक्स का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है। भारतीय सेना ने पिछले महीने नए कोट कॉम्बैट के डिजाइन (डिजिटल प्रिंट) का पेटेंट कराया था। यह तीन-लेयर वाली यूनिफॉर्म सैनिकों के लिए हर मौसम में आरामदायक है। यानी कोई बिना सेना की अनुमति के इस डिजाइन का यूनिफॉर्म न तो बना सकेगा न बेच सकेगा व उपयोग कर सकेगा। ऐसा करने पर कानूनी कार्रवाई और जुर्माना होगा। इस नए कोट कॉम्बैट को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली ने आर्मी डिजाइन ब्यूरो के साथ तैयार किया है। सेना ने जनवरी 2025 में नया कॉम्बैट यूनिफॉर्म को पेश किया था।

## कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी जायसवाल के परिजनों के नाम पर दर्ज संपत्ति जब्त होगी

वाराणसी(एजेंसी)। कोडीन कफ सिरप मामले में 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 संपत्ति अब वाराणसी पुलिस जब्त करेगी। कोतवाली पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने संपत्ति जब्त करने के लिए नोटिस दे दिया है। डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार जल्द ही पुलिस कार्रवाई शुरू करेगी और शैली ट्रेडिंग के मालिक भोला प्रसाद, उनकी पत्नी और बेटी के नाम दर्ज कुल 38 करोड़ की संपत्ति जब्त होगी।

डीसीपी बंसवाल ने बताया कि फरार और 50 हजार के इनामी शुभम जायसवाल के परिजनों के नाम दर्ज 38 करोड़ की संपत्ति जल्द ही पुलिस जब्त करेगी। इसके लिए उन्हें कोर्ट से ऑर्डर मिल गया है। डीसीपी काशी जोन ने बताया कि शुभम कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य अभियुक्त है और अभी फरार चल रहा है। उसके पिता शैली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर भोला प्रसाद को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। फिलहाल वे जेल में हैं। रिपोर्ट के अनुसार भोला प्रसाद, उनकी पत्नी शारदा जायसवाल, बेटी प्रगति जायसवाल और शुभम की पत्नी वैशाली के नाम पर 38 करोड़ की संपत्ति दर्ज है। जिसे जब्त किया जाएगा।

# बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसा गंभीर चिंता का विषय: मायावती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लखनऊ (ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही साम्प्रदायिक हिंसा और हाल ही में एक दलित युवक की नृशंस हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है। इस मामले में केंकार को समुचित संज्ञान लेकर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

बसपा नेत्री मायावती ने एक्स पर लिखा कि अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के जान, माल व मज़हब को जिस प्रकार से साम्प्रदायिक हिंसा का शिकार बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है उससे अपने देश में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी चिन्ता की लहर है तथा अभी हाल ही में वहाँ एक दलित युवक की जिस प्रकार से नृशंस हत्या की गयी है उसको लेकर भारत भर में लोगों का सड़कों पर फूटा आक्रोश स्वाभाविक है, जिसका भारत सरकार को तुरन्त समुचित संज्ञान लेकर आगे हर स्तर पर कुछ और भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की देश को आशा है और यही समय की माँग भी लगती है। उन्होने कहा कि वैसे तो अपने देश में भी ख़ासकर दलितों व आदिवासियों आदि पर सदियों से होने वाली जातिवादी द्वेष, जुल्म-ज्यादती, शोषण व तिरस्कार आदि रुका नहीं है बल्कि हर स्तर पर लगातार जारी है तथा उनकी सुरक्षा को लेकर बने क़ानूनों को एक प्रकार से निष्क्रिय ही बना दिया गया है, किन्तु पड़ोसी देश बांग्लादेश में इसी प्रकार की होने वाली जुल्म-ज्यादती कोई कम गंभीर बात नहीं है बल्कि यह अति-दुखद व चिन्ता की बात है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि साथ ही, पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को लेकर ख़ासकर देश में लोगों की चिन्तायें लगातार बनी रहती हैं और इस मामले में सरकार अपनी भूमिका भी निभाने का प्रयास करती रहती है, किन्तु हाल के दिनों में बांग्लादेश में जिस प्रकार से भारत व हिन्दू विरोधी घटनायें घटित हो रही हैं उसको लेकर केन्द्र सरकार को लोगों की अपेक्षा के अनुसार और भी अधिक सक्रियता एवं प्रभावी क़दम उठाने की ज़रूरत लग रही है जिसको लेकर जनता का समर्थन अवश्य ही सरकार के साथ होगा। सरकार उचित ध्यान दे।

## बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में टूट के आसार... तीन विधायक लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए

पटना। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में अब टूट होती दिख रही है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के तीन विधायक माधव आनंद, रामेश्वर महतो और आलोक सिंह उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर लिट्टी-चोखा भोज में शामिल नहीं हुए। तीनों विधायकों ने भोज में शामिल न होकर पटना में नितिन नबीन से मिलने पहुंचे। बीजेपी के नए कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के आवास पर ये मुलाकात हुई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के विधायक माधव आनंद मंत्री की रेस में थे, लेकिन कुशवाहा ने अपने बेटे को मंत्री बना दिया। दरअसल रालोमा के टिकट पर मधुबनी से जीते माधव आनंद मंत्री की रेस में सबसे आगे थे, लेकिन उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया। इसके बाद से उनकी नाराजगी की खबरें सामने आईं। हालांकि, डैमेज कंट्रोल के लिए कुशवाहा ने माधव आनंद को पार्टी के विधायक दल का नेता नियुक्त कर दिया। कुछ दिन पहले ही मंत्री नहीं बनने पर नाराजगी भी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था, मेरी व्यक्तिगत इच्छा है कि मैं मंत्री बनूं। मंत्री बनने की हर काबिलियत मुझमें है। अर्थशास्त्री हूं। 55 देशों की यात्रा कर चुका हूं। आगे भी मंत्री बनने की इच्छा रहेगी। उम्मीद है कि आगे मुझे कैबिनेट में मौका मिलेगा। माधव आनंद एक उद्यमी और कारोबारी बैकग्राउंड से आते हैं। चुनावी हलफनामे में उनकी कुल संपत्ति 55 करोड़ से ज्यादा है। मधुबनी सीट से उन्होंने आरजेडी के उम्मीदवार और दो बार के पूर्व विधायक समीर महासेठ को 20,552 वोटों के अंतर से हराया। माधव आनंद को लगभग 97,956 वोट मिले।

## नेताजी की अस्थियां को भारत वापस लाने की उठी मांग... पड़पोते ने राष्ट्रपति मुर्मू से की भावुक अपील

**कोलकाता (एजेंसी)।** नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अवशेषों को भारत वापस लाने के दशकों पुराने संवेदनशील मुद्दे फिर चर्चा में आ गया है। नेताजी के पड़पोते चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यह भावुक अपील की है। चंद्र कुमार बोस ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर मांग की है कि नेताजी की अस्थियां जापान के रेंकोजी मंदिर से भारत लाई जाएं।

उन्होंने राष्ट्रपति को लिखे अपने खत में बताया कि परिवार चाहता है कि यह प्रक्रिया 23 जनवरी 2026 (नेताजी की 129वीं जयंती) से पहले पूरी हो जाए। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है कि इतने दशकों बाद भी देश के महान नायक के अवशेष पराये देश में रखे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यह केवल चंद्र कुमार बोस की मांग नहीं है, बल्कि नेताजी की बेटी अनीता बोस फाफ (जो जर्मनी में रहती हैं) भी लंबे समय से भारत सरकार से उनके अवशेषों को वतन लाने और उनका डीएनए टेस्ट कराने की अपील करती रही हैं। नेताजी की मृत्यु को लेकर भारत में हमेशा से दो विचारधाराएं रही हैं। एक वर्ग आधिकारिक विमान दुर्घटना के सिद्धांत को मानता है, जबकि दूसरा वर्ग इस स्वीकार नहीं करता। यही कारण है कि अस्थियां वापस लाने का मुद्दा राजनीतिक और भावनात्मक रूप से जटिल रहा है। इस बार 129वीं जयंती का लक्ष्य रखकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि नेताजी को उनकी अपनी मिट्टी में अंतिम विदाई दी जा सके।

**नेताजी की अस्थियां जापान में कब से**

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में ऐसी मान्यता है कि 18 अगस्त, 1945 को मौजूदा ताइवान में जापानी मिलिट्री के एक विमान हादसे में उनका निधन हो गया था; और सितंबर 1945 से उनकी अस्थियां रेंकोजी स्थित बौद्ध मंदिर के एक सुरक्षित कलश में रखी हुई है। नेताजी की मौत को लेकर अभी तक जो जांच हुई हैं, उसका यह निष्कर्ष निकाला गया है कि विमान हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गए थे और एक जापानी मिलिट्री के अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांसें ली थीं।

# विजयन सरकार पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार में डूबी हुई : राजीव चंद्रशेखर

**तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)।** केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए है। बीजेपी नेता चंद्रशेखर ने विजयन सरकार पर पिछले 10 वर्षों से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने विशेष रूप से सबरीमाला मंदिर से जुड़े मुद्दों को उठाया। चंद्रशेखर का दावा है कि मंदिर से करीब 4-4.5 किलो सोना चोरी हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ द्वारा नियुक्त देवस्वम बोर्ड के तहत 4 पंचधातु की मूर्तियां अंतरराष्ट्रीय गिरोहों को बेची गईं। भाजपा इन आरोपों के जरिए एलडीएफसरकार को हिंदू विरोधी या कुप्रबंधन करने वाली सरकार के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पथिनट्टम पाडी (18 पवित्र सीढ़ियां) के कुछ हिस्सों को लूटे जाने का भी दावा किया। भावनात्मक और धार्मिक मुद्दों का चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोप-विशेषकर सोने की चोरी और मूर्तियों की तस्करी-अत्यंत गंभीर हैं। ये आरोप सीधे तौर पर हिंदू मतदाताओं की भावनाओं और मंदिर प्रशासन (देवस्वम बोर्ड) की पारदर्शिता से जुड़े हैं।

वहीं मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने केंद्र सरकार पर केरल को आर्थिक रूप से निशाना बनाने का आरोप लगाया है। विजयन का कहना है कि केंद्र जानबूझकर राज्य की उधार लेने की क्षमता को सीमित कर रहा है। केरल राज्य विकास आयोग (केआईआईएफबी) द्वारा लिए गए ऋण को राज्य के कुल ऋण में शामिल करने पर विजयन ने आपत्ति जाहिर की है, उनका कहना है कि यह आरबीआई के पुराने नियमों के खिलाफहै। उन्होंने केंद्र पर अनुच्छेद 293(3) का दुरुपयोग कर राज्यों के विकास मॉडल को कमजोर करने का आरोप लगाया। चंद्रशेखर के अनुसार, केरल में पिछले 10 वर्षों में जो भी विकास हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के कारण हुआ है। उन्होंने विजयन पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। विजयन ने संकल्प लिया है कि केंद्र की बाधाओं के बावजूद केरल अपना विकास एजेंडा जारी रखेगा। उन्होंने इसे केरल के विकास मॉडल पर हमला बताया है। विवाद में राजीव चंद्रशेखर का उल्लेख केरल भाजपा के संदर्भ में किया गया है, जो वर्तमान में राज्य की राजनीति और केंद्र के प्रतिनिधित्व के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बने हुए हैं।

## मायावती के भतीजे आकाश आनंद के घर आई लक्ष्मी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के गुट के लिए व्यक्तिगत और राजनीतिक दोनों लिहाज से काफी चर्चा में है। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद पिता बन गए हैं। उनके घर बेटी का जन्म हुआ है। मायावती ने खुद एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए खुशी जाहिर की। पूर्व सीएम मायावती ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आकाश आनंद ने अपनी बेटी को भी बहनजी (मायावती) की तरह ही बहुजन समाज के मिशन के प्रति समर्पित करने का संकल्प लिया है। मां और नवजात बच्ची दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं।

वहीं खुशखबरी के साथ-साथ मायावती ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हो रही सांप्रदायिक हिंसा और वहां हिंदू अल्पसंख्यकों की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हाल ही में वहां एक दलित युवक की नृशंस हत्या का जिक्र कर कहा कि इससे भारत के लोगों में भारी आक्रोश है। मायावती ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे इस मामले में अधिक सक्रिय और प्रभावी कदम उठाएं ताकि वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने देश के भीतर भी दलितों और आदिवासियों पर होने वाले जातिवादी द्वेष और कानूनों की निष्क्रियता पर सवाल उठाए, लेकिन साथ ही जोर दिया कि बांग्लादेश में जो हो रहा है वह अत्यंत गंभीर और दुखद है।

# सांसद थरूर ने कहा- बांग्लादेश में स्थिति चिंताजन, लेकिन भारत रख रहा है नजर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा और वहां के अस्थिर हालातों ने भारत में भी चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। पड़ोसी देश में बिगड़ती स्थिति के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रदर्शनों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने इन प्रदर्शनों के हिंसक होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और विरोध जताने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में हो रहे ये प्रदर्शन फिलहाल पूरी तरह नियंत्रण में हैं और यहां की पुलिस किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने में सक्षम है।

शशि थरूर ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि केवल घटनाओं पर खेद जताना या निंदा करना एक सरकार के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा को रोकना और कानून-व्यवस्था बहाल करना वहां के प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। थरूर के अनुसार, जब तक आम नागरिक और अल्पसंख्यक समुदाय सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, तब तक लोकतंत्र की बहाली संभव नहीं है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि यदि वहां की पुलिस स्थिति संभालने में विफल हो रही है, तो सेना की मदद ली जानी चाहिए, लेकिन अराजकता का यह दौर अब समाप्त होना चाहिए।

बांग्लादेश में आगामी चुनावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए सांसद ने कहा कि जिस देश में चारों तरफ डर का माहौल हो और मतदाता खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा हो, वहां निष्पक्ष चुनाव कराना लगभग असंभव है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले शांति और सुरक्षा का वातावरण तैयार करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद से स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई है। जहां प्रशासन इस हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश बता रहा है, वहीं हादी के परिवार ने अंतरिम सरकार पर ही गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का मानना है कि चुनावों को टालने और सत्ता पर पकड़ बनाए रखने के लिए इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, बांग्लादेश की राजनीति के एक और बड़े खिलाड़ी और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान की वापसी की चर्चाओं ने सरगर्मी बढ़ा दी है। एक तरफ कट्टरपंथियों का बढ़ता प्रभाव और दूसरी तरफ प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रियता ने बांग्लादेश के भविष्य को अनिश्चितता के भंवर में डाल दिया है। भारत इस पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है, क्योंकि वहां की अस्थिरता का सीधा असर सीमावर्ती क्षेत्रों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ता है।

## उन्नाव रेप पीड़िता ने कहा- 250 टांके, हाथ-पैर में रॉड लिए कोर्ट में थी पर अंग्रेजी में बहस समझ नहीं पाई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश को झकझोर देने वाले उन्नाव मामले की पीड़िता एक बार फिर गहरे सदमे और भय के साये में है। हाल ही में उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य आरोपी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत दिए जाने के फैसले ने पीड़िता के उन जख्मों को फिर से कुरेद दिया है, जो वर्षों के संघर्ष के बाद भी नहीं भरे थे। पीड़िता का कहना है कि यह आदेश उसके लिए किसी बड़े मानसिक आघात से कम नहीं है, जिसने उसे और उसके परिवार को असुरक्षा के गहरे दलदल में धकेल दिया है।

अदालती कार्यवाही के दौरान के अपने अनुभव साझा करते हुए पीड़िता ने बताया कि जब वह न्यायालय में मौजूद थी, तो वह विरोध करना चाहती थी, लेकिन भाषा की बाधा और कानूनी जटिलताओं के बीच उसकी आवाज दबकर रह गई। उसका कहना है कि अदालतों में होने वाली बहस अक्सर आम और गरीब लोगों की समझ से परे होती है, जिसके कारण उन्हें न्याय की प्रक्रिया और भी जटिल और डरावनी लगने लगती है। फैसले के बाद की मानसिक स्थिति का जिक्र करते हुए उसने भावुक होकर कहा कि एक पल के लिए उसके मन में आत्मघाती विचार भी आए, लेकिन अपने बच्चों और परिवार के भविष्य को देखते हुए उसने संघर्ष जारी रखने का फैसला किया।

पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाया कि आरोपी की जमानत की प्रक्रिया शुरू होते ही उसके परिवार और गवाहों की सुरक्षा में कटौती की जाने लगी है। उसका मानना है कि जब आरोपी रसूखदार और सत्ता से जुड़ा रहा हो, तो खतरा केवल जेल के भीतर से नहीं, बल्कि बाहर मौजूद उसके नेटवर्क और समर्थकों से भी होता है। पीड़िता ने सवाल उठाया कि उसके चाचा, जिन्होंने कोई अपराध नहीं किया, वे वर्षों से जेल में हैं, जबकि जघन्य अपराध के आरोपी को राहत दी जा रही है। यह विडंबना न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। हाल ही में दिल्ली के इंडिया गेट पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई पर भी पीड़िता ने तीखे सवाल किए। उसने आरोप लगाया कि शारीरिक रूप से अक्षम होने के बावजूद, पुलिस ने उसके साथ बदसलूकी की और उसे घसीटा गया। उसके शरीर पर मौजूद टांके और रॉड उसकी आपबीती की गवाही दे रहे थे, फिर भी प्रशासन का रवैया संवेदनहीन रहा। उसका कहना है कि उसे डराने और चुप रहने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन वह अब पीछे हटने वाली नहीं है।

# दुनिया देख रही इसरो का दम, जापान और दक्षिण कोरिया जो न कर सके, भारत ने कर दिखाया!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अंतरिक्ष की रेस में भारत अब केवल भागीदार नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा से एक ऐसा कीर्तिमान रचा, जिसने वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की धाक को और मजबूत कर दिया है। जहाँ जापान, ब्राजील और दक्षिण कोरिया जैसे विकसित देश हाल के दिनों में अपने मिशन में विफल रहे, वहीं इसरो के बाहुबली एलवीएम 3 ने एक बार फिर 100 प्रतिशत सफलता का परचम लहराया।

इसरो ने अमेरिकी कंपनी के ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट को उसकी सटीक कक्षा में स्थापित किया। यह मिशन इसरो के व्यावसायिक इतिहास में एक मील का पत्थर है। इसरो की इस कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो की पूरी टीम को बधाई देकर यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष क्षेत्र में हमारी बड़ी छलांग को दर्शाती है।

इसरो की यह कामयाबी इसलिए बड़ी है क्योंकि पिछले कुछ समय में दुनिया के कई दिग्गज देशों के अंतरिक्ष मिशन धराशायी हुए हैं। भारत ने अपनी विश्वसनीयता से यह साबित किया है कि कम लागत और उच्च तकनीक का सही तालमेल क्या होता है।

मार्च 2023 में जापान को तब गहरा सदमा लगा जब उसका एच3 रॉकेट दूसरे चरण में इंजन फेल होने के कारण नष्ट हो गया। इस हादसे में जापान का कीमती एएलओएस-3 उपग्रह भी बर्बाद हो गया था।

हाल ही में दक्षिण कोरिया का कमर्शियल रॉकेट हनबिट-नैनो ब्राजील से लॉन्च होने के मात्र 30 सेकंड बाद ही क्रैश हो गया। इस मिशन में 5 सैटेलाइट्स थे, जो समुद्र/सुरक्षित क्षेत्र में जा गिरे।

अंतरिक्ष इतिहास का सबसे दुखद हादसा ब्राजील के अल्कांतारा स्पेस सेंटर में हुआ था, जब बीएलएस-1 वी03 रॉकेट लॉन्च पैड पर ही फट गया था। इस हादसे ने 21 वैज्ञानिकों की जान ले ली थी, जिससे ब्राजील का स्पेस प्रोग्राम सालों पीछे चला गया।

वहीं इसरो का एलवीएम 3 रॉकेट की यह लगातार छठी सफल उड़ान है। यह वही रॉकेट है जिसने चंद्रयान-2 और चंद्रयान-3 जैसे ऐतिहासिक मिशन पूरे किए। अब 6100 किलो का भारी-भरकम वजन उठाकर अपनी ताकत का लोहा मनवाया। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 सैटेलाइट के सफल प्रक्षेपण से पूरी दुनिया में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब दुर्गम इलाकों में भी सीधा सैटेलाइट-टू-फोन कनेक्शन संभव हो सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान में रिस्क हमेशा बना रहता है, लेकिन इसरो ने अपनी तकनीक और कठोर परीक्षणों से विफलता की दर को लगभग शून्य कर दिया है। अन्य देश अरबों डॉलर खर्च करके भी विफल हो रहे हैं, इसरो बहुत ही कम बजट में जटिल मिशन (जैसे चंद्रयान-3 और अब एलवीएम 3 की सफल उड़ानें) पूरे कर रहा है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के मिशनों में तकनीकी खामियां अक्सर विदेशी इंजन या पुराने डिजाइनों पर निर्भरता के कारण भी आती हैं, जबकि भारत ने अपने क्रायोजेनिक इंजन और रॉकेट चरणों को स्वदेशी रूप से विकसित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका के डेलावेयर में फायरिंग, पुलिसकर्मी और संदिग्ध की मौत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के डेलावेयर में गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी और एक संदिग्ध की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को विलमिंगटन के पास एक मोटर वाहन एजेंसी में हुई गोलीबारी में संदिग्ध बंदूकधारी के साथ डेलावेयर राज्य का एक पुलिस अधिकारी की भी मौत हो गई। राज्य पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि दोपहर 3 बजे से पहले ही खतरा टल गया था और वे अन्य चोटों का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। बयान में कहा, 'राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियां मौके पर मौजूद हैं और राहत कार्यों का समन्वय कर रही हैं।'

### पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए हमले में 5 पुलिसकर्मी मारे गए

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने एक पुलिस वैन पर गोलीबारी की, जिसमें पांच पुलिसकर्मी मारे गए। यह घटना करक जिले में उस समय घटी जब पुलिस अधिकारी नियमित गश्त पर थे। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) सऊद खान ने बताया कि वैन में सवार सभी पांच पुलिसकर्मी हमले में मारे गए हैं। पुलिस की भारी टुकड़ी मौके पर पहुंची, इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाना शुरू कर दिया। हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया। करक जिले की पुलिस और आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) की टीमों ने भी हत्या में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया। पहाड़ी इलाके में पीछा करने के दौरान टीमों का आतंकवादियों से सामना हुआ, जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें आठ आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया है, जबकि उनकी पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इस घटना को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' और 'निंदनीय' बताया।

### पोलैंड की कोयला खदान में विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

**वॉरसॉ, एजेंसी।** पोलैंड में प्नियोवेक कोयला खदान में भूमिगत विस्फोट के कारण दो मजदूरों की मौत हो गई। खदान संचालक कंपनी जेएसडब्ल्यू के अनुसार, सोमवार शाम 5 बजे खदान में अचानक मीथेन गैस और चट्टानों का तेज उभार हुआ। उस समय 10 मजदूर काम कर रहे थे। घटना के बाद आठ मजदूर बाहर निकल आए, जबकि दो फंस गए। करीब सात घंटे बाद दोनों को बाहर लाया जा सका, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### उत्तरी कैलिफोर्निया में अचानक आई बाढ़ से एक की मौत

**सैक्रामेंटो , एजेंसी।** उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर पानी भर गया, कई जगहों पर लोगों को वाहनों और घरों से रेस्क्यू करना पड़ा। इस दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। रेडिंग शहर में एक वाहन चालक की मौत हो गई। मेयर माइक लिटाउ के मुताबिक, व्यक्ति ने 911 पर कॉल किया था, जब उसकी कार पानी से भरने लगी। पुलिस अधिकारी पानी में तैरकर मौके पर पहुंचे और शीशा तोड़कर व्यक्ति को बाहर निकाला, लेकिन सीपीआर के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी।

### ब्रिटेन में 56 यौन अपराधों का आरोपी किया गया गिरफ्तार

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में फिलिप यंग (49) नामक शख्स पर अपनी पूर्व पत्नी जोआन यंग (48) को 13 वर्षों तक नशा देकर दुष्कर्म करने सहित 56 यौन अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलिंग पर दुष्कर्म, यौन उत्पीड़न के लिए नशीला पदार्थ देने, वोयरिज्म, बच्चों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें रखने और आपत्तिजनक सामग्री के कब्जे जैसे गंभीर मामले आरोप हैं। यह घटनाएं 2010 से 2023 के बीच की बताई जा रही हैं।

### अमेरिका में नर्सिंग होम में धमाका, इमारत का हिस्सा ढहा ; कई लोग घायल

**फिलाडेल्फिया, एजेंसी।** अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में फिलाडेल्फिया के पास ब्रिस्टल हेल्थ एंड रिहैब सेंटर नाम के नर्सिंग होम में मंगलवार दोपहर जोरदार धमाका हो गया। धमाके से इमारत का एक हिस्सा ढह गया और कई लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ लोगों के अंदर फंसे होने की भी आशंका है। धमाका स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर करीब 2:17 बजे हुआ। इससे पहले नर्सिंग होम में गैस की गंध की शिकायत मिली थी, जिसके बाद गैस कंपनी की टीम जांच के लिए पहुंची थी। इसी दौरान अचानक विस्फोट हो गया। घटनास्थल से काला धुआं उठता देखा गया।

# बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव पर अमेरिकी सांसदों की चेतावनी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के कुछ प्रभावशाली सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को चेतावनी दी है कि अगर फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक दलों की भागीदारी पर रोक लगाई गई, तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं होगा। इन सांसदों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि सरकार को सभी राजनीतिक दलों से संवाद कर लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा दोबारा कायम करना चाहिए। यह पत्र अमेरिकी सांसद ग्रेगरी डब्ल्यू. मीक्स, बिल हुइजेंगा और सिडनी कैमलैगर-डोव ने लिखा, जबकि जूली जॉनसन और थॉमस आर. सुओजी ने भी इस पर हस्ताक्षर किए। मंगलवार को यूनुस को लिखे पत्र में सांसदों ने लिखा, 'हम बांग्लादेश में राष्ट्रीय संकट के समय अगले साल फरवरी में होने वाले चुनावों से पहले एक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए आपके आगे आने की इच्छा का स्वागत करते हैं। ये बहुत जरूरी है कि अंतरिम सरकार सभी राजनीतिक दलों के साथ मिलकर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए माहौल बनाए, जिससे लोग शांतिपूर्ण तरीके से मतदान के जरिए अपनी राय रख सकें। साथ ही ऐसे सुधार हों जो राज्य संस्थानों की निष्पक्षता और




ईमानदारी में विश्वास बहाल करें।'

उन्होंने चिंता जताई कि अगर सरकार राजनीतिक दलों की गतिविधियां निलंबित करती है या फिर विवादित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को दोबारा शुरू करती है, तो चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा और कमजोर हो सकता है।

अमेरिकी सांसदों ने यह भी याद दिलाया कि अमेरिकी विदेश विभाग और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने बांग्लादेश के 2018 और 2024 के आम चुनावों को पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं माना था। उनका कहना है कि आने वाले चुनाव की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करेगी कि अंतरिम सरकार पहले की उन नीतियों से कितना अलग रास्ता अपनाती है, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सांसदों ने बताया कि 2024 में जुलाई और अगस्त के प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में लगभग 1,400 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है, ताकि बदले की राजनीति का सिलसिला खत्म हो सके। सांसदों की सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक दल की गतिविधियों को पूरी तरह निलंबित करने के फैसले को लेकर थी।

उन्होंने कहा कि संगठन बनाने की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत जिम्मेदारी का सिद्धांत बुनियादी मानवाधिकार हैं। किसी पूरे दल पर रोक उन सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने अंतरिम सरकार से इस फैसले पर दोबारा विचार करने को कहा और बताया कि सभी दलों की भागीदारी से ही जनता का भरोसा लौटाया जा सकता है। सांसदों ने कहा, 'आखिरकार, बांग्लादेश के लोगों को एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में चुनी हुई सरकार चुनने का अधिकार है, जिसमें सभी राजनीतिक दल हिस्सा ले सकें ताकि उनकी आवाज सुनी जा सके।

पत्र में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और अमेरिकी सांसद अंतरिम सरकार के साथ मिलकर दोनों देशों के रिश्तों और बांग्लादेश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। इसी से जुड़े एक अन्य मामले में सांसद थॉमस आर. सुओजी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को पत्र लिखकर बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर जानकारी मांगी। उन्होंने हाल की हिंसक घटनाओं और ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इन मुद्दों पर उन्हें विस्तार से जानकारी दी जाए, ताकि वह बांग्लादेशी-अमेरिकी समुदाय की चिंताओं को उठा सकें।

## यूक्रेन पर रूस के भीषण हमले, 650 से ज्यादा ड्रोन-36 मिसाइलों से 13 इलाकों को बनाया निशाना

**कीव, एजेंसी।** रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर एक बड़े हमले में 650 से अधिक ड्रोन और करीब 36 मिसाइलें दागीं। 13 यूक्रेनी इलाकों में किए गए इस हमले में तीन लोग मारे गए। मृतकों में एक चार वर्षीय बच्चा भी शामिल है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में यूक्रेन के 13 क्षेत्रों में घरों और बिजली ग्रिड को निशाना बनाया गया, जिससे बिजली की व्यापक कटौती हुई। इससे पहले उन्होंने शांति समझौते की दिशा में हुई हालिया प्रगति को ठोस बताया था। जेलेंस्की ने एक पोस्ट में कहा, इस बमबारी से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यूक्रेन पर हमला जारी रखने का इरादा स्पष्ट होता है। यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों ने शिकायत की है कि पुतिन अमेरिका के नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में गंभीरता से सहयोग नहीं कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा, यह हमला रूसी प्राथमिकताओं का बेहद स्पष्ट संकेत है। क्रिसमस से ठीक पहले ऐसा हमला किया गया, जब लोग परिजनों के साथ घर में रहना चाहते हैं। वह बोले, यह हमला इस युद्ध को खत्म करने के लिए जारी वार्ता के बीच में हुआ है। इससे पता चलता है कि पुतिन यह स्वीकार नहीं कर सकते कि हमें हत्याएं बंद करनी होंगी।

**शांति वार्ता में ठोस प्रगति: जेलेंस्की :** यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, रूस-यूक्रेन शांति समझौते के लिए अमेरिका द्वारा पेश किए गए



शुरुआती मसौदे कीव की कई मांगों को पूरा करते हैं। जेलेंस्की ने हालांकि संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए होने वाली वार्ताओं में दोनों पक्षों की सभी इच्छाएं पूरी होने की संभावना कम ही है। उन्होंने समझौते की कोशिश कर रहे अमेरिकी अधिकारियों के साथ हुई हालिया बातचीत पर कहा, इस चरण में काफी ठोस प्रगति नजर आ रही है।

**यूक्रेन ने तेल टर्मिनल व जेट पर साधा निशाना :** रूसी हमलों से पहले यूक्रेनी सेना ने रूस में सिलसिलेवार हमलों में एक तेल टर्मिनल, पाइपलाइन, दो खड़े जेट लड़ाकू विमानों और दो जहाजों को निशाना बनाया है। ये हमले रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करने और अग्रिम मोर्चे से दूर के इलाकों में असुरक्षा का माहौल पैदा करने के अभियान का हिस्सा हैं। हमलों का एक उद्देश्य व्लादिमीर पुतिन की उस रणनीति को भी झटका देना था, जिसके तहत वह रूस को अमेरिकी नेतृत्व वाले शांति प्रयासों में सैन्य रूप से मजबूत स्थिति से बातचीत करने वाले देश के रूप में पेश करना चाहते हैं।

## ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा अगले महीने कर सकते हैं भारत का दौरा: सूत्र

**ब्रासीलिया, एजेंसी।** शीर्ष सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा कर सकते हैं। यह दौरा जनवरी के अंत या फरवरी 2026 की शुरुआत में संभव हो सकता है। लूला का यह दौरा भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उम्मीद है कि प्रस्तावित दौरे के दौरान भारत और ब्राजील व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को और मजबूत करेंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्ष अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के तरीकों पर भी विचार कर सकते हैं। भारत और ब्राजील ब्रिक्स और जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर करीबी साझेदार हैं। इस दौरान वैश्विक आर्थिक मुद्दे, विकास संबंधी चिंताएं, और विकासशील देशों के बीच सहयोग भी चर्चा का विषय रहने की उम्मीद है। हालांकि, दौरे की आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति से मुलाकात की, जिससे भारत-ब्राजील संबंधों में निरंतर आ रही प्रगति पर प्रकाश डाला गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए फेसबुक पर लिखा कि राष्ट्रपति लूला से मिलना हमेशा ही सुखद होता है। भारत और ब्राजील अपने लोगों के लाभ के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति लूला ने इस वर्ष की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान प्राप्त हुई प्रगति की बार-बार पुष्टि की और भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया। रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों नेताओं की मुलाकात ब्रासीलिया में हुई थी।

## उस्मान हादी के भाई का मोहम्मद यूनुस पर गंभीर आरोप, कहा- 'चुनाव रद्द कराने के लिए तुमने उसे मारा'

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश के चर्चित छात्र नेता और इंकिलाब मंचो के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद देश की राजनीति में भूचाल आ गया है। मृतक के भाई ओमर हादी ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके भाई की हत्या आगामी राष्ट्रीय चुनावों को पटरी से उतारने के लिए कराई गई। ओमर हादी का दावा है कि सत्ता में बैठे लोगों के एक गुट ने जानबूझकर इस हत्या को अंजाम दिया, ताकि चुनावी माहौल को अस्थिर किया जा सके और राजनीतिक फायदा उठाया जा सके।

**'आपने उसे मरवाया', सरकार पर सीधा हमला :** ढाका के शाहबाग इलाके में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित शहीदी शपथ कार्यक्रम में बोलते हुए ओमर हादी ने सरकार पर तीखा हमला बोला।

बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के अनुसार, उन्होंने कहा यह आप ही हैं जिन्होंने उस्मान हादी को मरवाया और अब उसी मुद्दे को लेकर चुनाव बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर मौजूद एक खास गुट ने साजिश रचकर इस हत्या को अंजाम दिया। बता दें कि उस्मान हादी आगामी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे। ओमर हादी का यह भी आरोप है कि उनके भाई की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि उन्होंने किसी भी एजेंसी या विदेशी आकाओं के आगे झुकने से इनकार कर दिया था।

**यूनुस सरकार को चेतावनी :** ओमर हादी ने अंतरिम सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनके भाई के हत्यारों को जल्द सजा नहीं दी गई, तो यूनुस सरकार का अंजाम भी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जैसा हो सकता है। उन्होंने कहा हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाएं, ताकि चुनावी माहौल खराब न हो। सरकार अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं दिखा पाई है। अगर उस्मान हादी को न्याय नहीं मिला, तो आपको भी एक दिन बांग्लादेश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा।

**मस्जिद से निकलते समय मारी गई गोली :** गौरतलब है कि 32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी पर ढाका में एक मस्जिद से बाहर निकलते समय गोली चलाई गई थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया, जहां 19 दिसंबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया और राजधानी ढाका समेत कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई। उस्मान हादी उन प्रमुख छात्र नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने 2024 में हुए जन आंदोलन का नेतृत्व किया था। इसी आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अगस्त 2024 में पद छोड़कर भारत भागना पड़ा था।

# अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीय गिरफ्तार, बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने हाईवे से पकड़ा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की बॉर्डर पेट्रोल पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 30 भारतीयों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोग अमेरिका में कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस लेकर ट्रक चला रहे थे। बॉर्डर पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत इन लोगों को पकड़ा। यूएस कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि बॉर्डर पेट्रोल एजेंट्स ने कैलिफोर्निया के अल सेंट्रो सेक्टर में 49 अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार लोगों के पास से कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं।

**पकड़े गए लोगों में से अधिकतर भारतीय :** कस्टम एजेंसी ने बताया कि अप्रवासन चेक पॉइंट पर जांच के दौरान ये लोग पकड़े गए। कस्टम विभाग ने बताया कि 23 नवंबर से 12 दिसंबर तक चले अभियान में कुल 42 अवैध अप्रवासी पकड़े गए हैं, जो कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस पर ट्रक चला रहे थे। पकड़े गए लोगों में से 30 भारतीय नागरिक हैं। वहीं दो लोग अल सल्वाडोर के और बाकी चीन, एरीट्रिया, हैती, होंडुरास, मैक्सिको, रूस, सोमालिया, तुर्किये और यूक्रेन के निवासी हैं। एजेंसी ने बताया कि पकड़े गए लोगों में से 31 को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस कैलिफोर्निया राज्य की सरकार ने जारी किए थे। आठ लाइसेंस फ्लोरिडा, इलिनोइस, इंडियाना, ओहायो, मैरीलैंड, मिनेसोटा, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और वाशिंगटन ने जारी किए थे। अप्रवासन एजेंसी का ट्रक चालकों के खिलाफ ये अभियान कई घातक दुर्घटनाओं के बाद सामने आया है, जिसमें अवैध रूप से रह रहे लोगों ने सड़क दुर्घटनाएं कीं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई।

**राजमार्गों को सुरक्षित करना उद्देश्य :** कस्टम एजेंसी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य अप्रवासन कानून को लागू करना, अमेरिकी राजमार्गों को सुरक्षित करना और कमर्शियल परिवहन क्षेत्र में नियामक मानकों को बनाए रखना था। अधिकारियों ने कहा, 'गिरफ्तार किए गए लोगों को कभी भी ये ट्रक नहीं चलाने चाहिए थे, और जिन राज्यों ने उन्हें कमर्शियल ड्राइवर लाइसेंस जारी किए हैं, वे हाल ही में हमने दुखद रूप से देखी गई घातक दुर्घटनाओं के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन और अन्य एजेंसियों में हमारे सहयोगी भागीदारों के साथ मिलकर, एल सेंट्रो सेक्टर यह सुनिश्चित करना जारी रखेगा कि अमेरिकी जनता की सुरक्षा हमारे प्रयासों में सबसे आगे रहे।' हाल के महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय ट्रक चलाते समय खतरनाक और घातक दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं।

## लीबिया के आर्मी चीफ की प्लेन क्रैश में मौत:7 और लोग भी मारे गए, तुर्किए में उड़ान भरने के 30 मिनट बाद हादसा



**अंकारा, एजेंसी।** लीबियाई की सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अल-हद्दाद की मंगलवार रात तुर्किये में प्लेन क्रैश में मौत हो गई। प्लेन में 8 लोग सवार थे, सभी की मौके पर ही मौत हो गई। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि फाल्कन-50 विमान का मलबा अंकारा के पास हायमाना इलाके में मिला है। विमान में टेकऑफ के 30 मिनट बाद ही तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। यह लीबियाई मिलिट्री डेलिगेशन अंकारा में तुर्किये के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर हाई लेवल बातचीत के लिए आया था और वापस लीबिया लौट रहा था। हादसे में मरने वालों में लीबिया के थल सेना प्रमुख जनरल अल-फितूरी ग्रैबिल, ब्रिगेडियर जनरल महमूद अल-कतावी, चीफ ऑफ स्टाफ के सलाहकार मोहम्मद अल-असावी दियाब, सैन्य फोटोग्राफर मोहम्मद ओमर अहमद महजूब और 3 क्रू मेंबर शामिल हैं।

**प्लेन ने इमरजेंसी लैंडिंग का मैसेज भेजा था :** लीबिया के प्रधानमंत्री अब्दुल-हामिद दबैबा ने फेसबुक पर बयान जारी कर जनरल अल-हद्दाद और अन्य अधिकारियों की मौत की पुष्टि की और इसे देश के लिए बहुत बड़ा नुकसान बताया। तुर्किये के गृह मंत्री अली यरलीकाया के मुताबिक, विमान लोकल समय के मुताबिक रात करीब 8 बजे अंकारा के एसनबोगा एयरपोर्ट से उड़ा था और कुछ देर बाद संपर्क टूट गया। प्लेन ने हायमाना इलाके के पास आपात लैंडिंग का संकेत भेजा था, लेकिन इसके बाद कोई संपर्क नहीं हो सका। स्थानीय टीवी चैनलों पर जारी सीसीटीवी फुटेज में रात के आसमान में तेज रोशनी और विस्फोट जैसा दृश्य दिखा। विमान का मलबा अंकारा से करीब 70 किलोमीटर दक्षिण हायमाना जिले के एक गांव के पास मिला। हादसे के बाद अंकारा एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया और कई उड़ानों को दूसरे एयरपोर्ट पर भेजा गया। तुर्किये के न्याय मंत्रालय ने हादसे की जांच के लिए चार अधिकारियों की नियुक्ति की है। वहीं, लीबिया सरकार ने भी जांच में सहयोग के लिए अपनी टीम अंकारा भेजने का फैसला किया है। हायमाना के एक स्थानीय निवासी बुरहान चिचेक ने बताया कि उन्होंने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। उन्होंने कहा- ऐसा लगा जैसे कोई बम फटा हो। तुर्किये की मीडिया में भी ऐसी तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें हादसे के समय आसमान में तेज रोशनी नजर आई।

# पाकिस्तानी सांसद का मुनीर पर हमला, कहा- भारत के ऑपरेशन सिंदूर पर कैसे कर सकते हैं आपत्ति?

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान की सियासत में एक अहम बयान सामने आया है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल) के प्रमुख और वरिष्ठ पाकिस्तानी सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सैन्य नीति को कठघरे में खड़ा करते हुए भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के भीतर सैन्य कार्रवाई को जायज ठहराता है, तो फिर भारत द्वारा पाकिस्तान की जमीन पर आतंकियों के ठिकानों पर किए गए हमलों पर आपत्ति किस आधार पर की जा सकती है।

कराची के लियारी इलाके में आयोजित 'मजलिस-ए-इत्तेहाद-ए-उम्मत' सम्मेलन को संबोधित करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली सैन्य कार्रवाइयों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हमलों में आम नागरिकों की मौत हुई है और इस पर इस्लामाबाद की दलीलें खोखली हैं।

**तर्क एक जैसा नहीं हो सकता :** फजलुर रहमान ने कहा, 'अगर आप कहते हैं कि हमने अफगानिस्तान में अपने दुश्मन पर हमला किया और उसे जायज ठहराते हैं, तो भारत भी यह कह सकता है कि उसने बहावलपुर, मुरीदके और कश्मीर हमलों के जिम्मेदार संगठनों के मुख्यालयों पर कार्रवाई की।' उन्होंने आगे सवाल किया, 'फिर आप आपत्ति कैसे कर सकते हैं? आज वही आरोप अफगानिस्तान पाकिस्तान पर लगा रहा है। दोनों स्थितियों को आप कैसे सही ठहराएंगे?' मौलाना के इस बयान को सीधे तौर पर भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर'



से जोड़कर देखा जा रहा है।

आपको बता दें कि 7 मई को भारतीय सशस्त्र बलों ने तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए थे। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य ठिकाना मुरीदके शामिल था। इस अभियान को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जो 22 अप्रैल को हुए उस आतंकी हमले का बदला था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी गई थी।

भारतीय कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और अन्य हथियारों से भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय सेना ने इन प्रयासों को नाकाम कर दिया था।

**पाकिस्तान-अफगानिस्तान तनाव :** मौलाना फजलुर रहमान लंबे समय से पाकिस्तान की अफगान नीति के आलोचक रहे हैं। अक्टूबर में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने पर उन्होंने मध्यस्थता की पेशकश भी की थी। वह तालिबान के सर्वोच्च नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा से मुलाकात करने वाले इकलौते पाकिस्तानी सांसद माने जाते हैं। हाल ही में भारत ने भी अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के ताजा हमलों की निंदा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'हम उन रिपोर्टों से अवगत हैं जिनमें अफ़ग़ान नागरिकों के मारे जाने की बात कही गई है। हम निर्दोष अफगान लोगों पर हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।' उन्होंने दोहराया कि भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता का समर्थन करता है। वहीं तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने दावा किया कि हमले पाकिस्तान ने शुरू किए, जिसके जवाब में काबुल को कार्रवाई करनी पड़ी। 2021 में तालिबान की काबुल वापसी के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते लगातार बिगड़ते गए हैं। पाकिस्तान अफगानिस्तान पर आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाता है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

### मास्टरमाइंड प्रतीक और दुबई के 'बिग ब्रदर' का खतरनाक जाल

# सूरत में 'पैकर्स एंड मूवर्स' की आड़ में हवाला कारोबार 200 करोड़ का नकदी को क्रिप्टो में बदलकर दुबई भेजा जाता

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में 'कृष्णा पैकर्स एंड मूवर्स' के नाम से चल रही दुकान असल में सामान ढोने का नहीं, बल्कि काले धन की हेराफेरी का बड़ा अड्डा बन चुकी थी। ग्रीन वैली बिल्डिंग के पहले माले पर करीब दो वर्षों से सक्रिय इस 200 करोड़ रुपये के हवाला रैकेट का खुलासा होते ही SOG भी चौंक गई। मुख्य सूत्रधार प्रतीक वसावा ने कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए कारोबार का ऐसा मुखौटा ओढ़ रखा था, जिसके पीछे वह देश की वित्तीय व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रहा था।

दुबई में बैठा 'बिग ब्रदर' नाम का रहस्यमय शख्स इस पूरे नेटवर्क का असली कंट्रोलर था। वह मुख्य आरोपी प्रतीक वसावा को APK फाइल भेजकर सूरत में किराये पर लिए गए बैंक खातों का सीधा एक्सेस हासिल कर लेता था। तकनीक के इस दुरुपयोग के जरिए वह गेमिंग और शेयर बाजार के नाम पर ठगे गए लोगों के करोड़ों रुपये सीधे उन खातों में जमा करवाता था, जिन्हें प्रतीक वसावा मैनेज करता था।

रीढ़ का अपराधी है प्रतीक वसावा यह रैकेट किसी साधारण अपराधी का नहीं, बल्कि शातिर अपराधी प्रतीक वसावा का काम है। साइबर फ्रॉड के एक मामले में 90 दिन जेल में रहने के बावजूद बाहर आते ही उसने फिर वही रास्ता अपनाया। उसके खिलाफ दर्ज 6 मामले उसकी आपराधिक मानसिकता को उजागर करते हैं। जेल से सुधरने के बजाय उसने हवाला कारोबार को और बड़ा व डिजिटल बनाने की साजिश रची।

सूरत के कई कारोबारियों के नाम खुलने की आशंका फिलहाल SOG के डीसीपी राजदीपसिंह नकुम और उनकी टीम प्रतीक वसावा के सभी संपर्कों और 'बड़े सिरों' की पड़ताल कर रही है। पुलिस को शक है कि सूरत के कुछ प्रभावशाली लोगों ने वित्तीय लेनदेन और पुलिस से बचने में उसे संरक्षण दिया। आने वाले दिनों में इस हवाला रैकेट में और बड़े खुलासे होने की संभावना है, जिनमें सूरत के कई व्यापारियों के नाम सामने आ सकते हैं।

दुबई और चीन तक फैले तार, टेलीग्राम से मिलते थे निर्देश

पिछले दो वर्षों से सक्रिय यह गैंग पैकर्स एंड मूवर्स के कारोबार की आड़ में दुबई और चीन तक फैले नेटवर्क के साथ ठगी कर रही थी। पुलिस ने मौके से प्रतीक वसावा, दीपक पांडे, रूपेश हांडगे और भूषण पाटील को गिरफ्तार किया है। ये सभी दुबई में बैठे 'बिग ब्रदर' के इशारे पर भारत में नेटवर्क चला रहे थे।

14 बैंक खाते, देशभर के 71 साइबर फ्रॉड मामलों से जुड़े

गैंग की मोडस ऑपरेंडी बेहद संगठित थी। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर, मामूली रकम के बदले उनकी चेकबुक, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए जाते थे। जांच में खुलासा हुआ कि जब्त किए गए 14 बैंक खाते देशभर के 71 साइबर फ्रॉड मामलों से जुड़े हैं। यह गिरोह टेलीग्राम के जरिए चीनी गैंग से निर्देश लेकर फ्रॉड की रकम को USDT जैसी क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर हवाला के माध्यम से विदेश भेजता था।

होंडा सिटी कार और 7 मोबाइल समेत सामान जब्त छापेमारी के दौरान पुलिस ने 10.19 लाख रुपये का माल जब्त किया, जिसमें 7 मोबाइल फोन, 2 कंप्यूटर, 7 डेबिट कार्ड और एक होंडा सिटी कार शामिल है। आरोपी तकनीक का इस्तेमाल कर फर्जी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज और यूजर आईडी बनाकर पुलिस को गुमराह करते थे।

जेल से छूटकर दोबारा इस धंधे में लगा शातिर अपराधी प्रतीक वसावा पूरे लोकल ऑपरेशन को संभाल रहा था।

फिलहाल सूरत पुलिस ने दुबई के मुख्य सूत्रधार समेत कुल 9 आरोपियों को वॉन्टेड घोषित किया है, जिनमें गणेश उर्फ प्रेम, राज श्रीवास्तव और सलीम आरटीओ जैसे नाम शामिल हैं। SOG के डीसीपी राजदीपसिंह नकुम के मार्गदर्शन में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस घोटाले में स्थानीय स्तर पर और कौन-कौन से बड़े लोग शामिल थे और उन्हें किसका संरक्षण मिला था। आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय साइबर माफिया के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं।

## 20-25 हजार में गरीबों के बैंक खाते किराये पर लेता था प्रतीक

प्रतीक वसावा की कार्यप्रणाली बेहद अलग और खतरनाक थी। वह सूरत और आसपास के ग्रामीण इलाकों के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बैंक खाते मात्र 20 से 25 हजार रुपये में किराये पर लेता था। इन 'म्यूल अकाउंट्स' में जब करोड़ों रुपये जमा होते, तो रकम पहले सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर होती और फिर प्रतीक खुद सारी रकम नकद निकाल लेता था। यह प्रक्रिया इतनी तेज होती कि साइबर क्राइम टीम के अलर्ट होने से पहले ही पैसा सिस्टम से बाहर निकल जाता।

## दोस्त की पत्नी को ब्लैकमेल करने का भी आरोप

प्रतीक वसावा की नैतिकता कितनी गिर चुकी थी, इसका सबूत यह है कि उसके खिलाफ दर्ज मामलों में अपने ही दोस्त की पत्नी को ब्लैकमेल करने जैसा गंभीर अपराध भी शामिल है। जिसने अपने दोस्त के परिवार को नहीं छोड़ा, उसने सैकड़ों लोगों के किराये के बैंक खातों का इस्तेमाल कर देश को करोड़ों का चूना लगाया।

## सलिम नकदी के बदले खरीदता था क्रिप्टोकरेंसी

जांच में बड़ा मोड़ तब आया जब पता चला कि इस नकदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे भेजा जाता था। प्रतीक वसावा लिम्बायत के सलीम उर्फ समीर से संपर्क करता था। सलीम करोड़ों की नकदी के बदले स्थञ्ज क्रिप्टोकरेंसी खरीदकर देता था। यह डिजिटल करेंसी प्रतीक सीधे दुबई में बैठे 'बिग ब्रदर' के वॉलेट में ट्रांसफर कर देता था। इस तरह भारतीय मुद्रा हवाला के जरिए क्रिप्टो में बदलकर दुबई पहुंचाई जाती थी।

### 20 लोगों की भीड़ ने पाइप-लाठी से युवक पर किया हमला

# सचिन GIDC में 'हाथ लग जाने' की बात पर पुरानी कहा सुनी, जानलेवा हमला

### पीड़ित बोला - मार खाने के बाद मुझे घंटों थाने में बैठाए रखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के सचिन GIDC क्षेत्र में एक बार फिर असामाजिक तत्व बेखौफ नजर आए हैं। तलंगपुर रोड स्थित शिवांजलि सोसायटी में 22 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे एक सनसनीखेज घटना सामने आई। पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए अंकुरसिंह नामक मजदूर युवक पर 15 से 20 लोगों ने लकड़ी के डंडों और पाइप से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया।

20 युवकों की भीड़ ने युवक पर बोला हमला

CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि अंकुरसिंह सोसायटी में शांति से बैठा था, तभी अचानक लकड़ी के डंडों से लैस 15 से 20 युवकों की भीड़ उस पर टूट पड़ती है। अंकुरसिंह कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आरोपी उस पर हमला कर देते हैं और एक के बाद एक लाठियों से वार करने लगते हैं। हमला इतना गंभीर था कि आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया, ताकि वह किसी को मदद के लिए फोन न कर सके।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि घटना 22 दिसंबर की है, जबकि शिकायत 24 दिसंबर को दर्ज की गई। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पीड़ित अंकुरसिंह ने सचिन GIDC पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

'हाथ लग जाने' की बात पर पुरानी कहासुनी, जानलेवा हमला

पुलिस जांच में सामने आया है कि अंकुरसिंह और हमलावरों के बीच पहले किसी सामान्य बात पर या हाथ लग जाने से कहासुनी हुई थी। इस मामूली घटना में दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौज भी हुई थी। इसी छोटी-सी बात की रंजिश रखते हुए आरोपियों ने अंकुरसिंह को अकेला पाकर उस पर जानलेवा हमला करने की साजिश रची।

PI ने शिकायतकर्ता के आरोपों को नकारा

वहीं, सचिन GIDC पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह गोहिल ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई है और CCTV फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस का डर नहीं, दिनदहाड़े हथियारों के साथ हमला

दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद शिवांजलि सोसायटी और आसपास के इलाके के कामगारों में दहशत का माहौल है। असामाजिक तत्वों द्वारा खुलेआम हथियारों के साथ हमला किए जाने से सचिन GIDC क्षेत्र में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए

# सूरत में मां-बेटे ने मौत की छलांग 14 वीं मंज़िल से लगाई

### बेटे की मौके पर ही मौत, मां की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथाण इलाके में स्थित एक आवासीय इमारत में दिल दहला देने वाली और सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक मां ने अपने मासूम बेटे के साथ इमारत की 14वीं मंज़िल से नीचे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। ऊंचाई से गिरने के कारण गंभीर चोटें लगने से मासूम बेटे की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मां की भी मौत हो गई। पुलिस फिलहाल इस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है। अब तक मां-बेटे की पहचान नहीं हो सकी है।

मां-बेटा नीचे खड़ी कार पर गिरे

महिला ने अपने करीब पांच साल के बेटे के साथ 14वीं मंज़िल से छलांग लगाई, जिससे वे नीचे पार्क की गई काले रंग की एक कार पर जा गिरे। महिला कार के पिछले हिस्से पर गिरी, जिससे कार का शीशा पूरी तरह टूट गया और पिछला हिस्सा दब गया। कार के पास ही महिला लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। इस दर्दनाक घटना में कार को भी भारी नुकसान पहुंचा, जिससे आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

बेटे की मौके पर ही मौत हो गई

अलथाण थाना प्रभारी भावेश रबारी ने बताया कि आज सुबह करीब 10:30 बजे भटार चौकी क्षेत्र में आने वाले सुमन अमृत आवास में करीब 30 वर्ष की एक महिला अपने बच्चे के साथ 14वीं मंज़िल से कूद गई। इस घटना में बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां को गंभीर हालत में इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी भी मौत हो गई। बच्चे की उम्र लगभग 5 वर्ष

**आवास में रहने वाले लोग भी मृतकों को नहीं पहचानते**

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि महिला इस आवास की निवासी नहीं थी। वह कौन है, कहां से आई और यह घटना कैसे हुई—इन सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। प्राथमिक रूप से मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहराई से जांच कर रही है। बच्चे की उम्र करीब 5 साल बताई जा रही है।

आवास के लोग भी महिला को नहीं पहचानते

घटना में पांच साल के मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि मां की बाद में अस्पताल में मौत हुई। अब तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, आवास में रहने वाले लोग भी महिला को नहीं पहचानते। आशंका है कि वे हाल ही में वहां रहने आई हों या फिर आत्महत्या के इरादे से बाहर से इस इमारत में आई हों। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

## ऑडिटोरियम और बायो-डायवर्सिटी पार्क अब 'अटलजी' के नाम से पहचाने जाएंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगरपालिका द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर ऐतिहासिक किले में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बायो-डायवर्सिटी पार्क का नाम बदला गया इस कार्यक्रम में सूरत के मेयर दक्षेश मावाणी और स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन राजन पटेल की उपस्थिति में अटलजी की जीवन-यात्रा का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सी.आर. पाटिल ने सूरत महानगरपालिका के महत्वपूर्ण निर्णयों का स्वागत किया। सूरत पालिका द्वारा

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल विशेष रूप से उपस्थित रहे और अटलजी के जीवन तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अब कतारगाम ऑडिटोरियम और बायो-डायवर्सिटी पार्क 'अटलजी' के नाम से जाने जाएंगे। सी.आर. पाटिल ने कहा कि नरसिंह राव ने अटलजी पर भरोसा करके देश का नेतृत्व सौंपा था।

कतारगाम ऑडिटोरियम और शहर के बायो-डायवर्सिटी पार्क को 'अटल बिहारी वाजपेयी' का नाम देने की घोषणा की गई।

पाटिल ने कहा कि ऐसे महान पुरुषों के नाम इमारतों और स्थलों से जोड़ने से आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी। अटलजी अपने कार्यों, स्वभाव और वाणी के कारण हमेशा लोगों के मन में अमर रहेंगे।

### खटोदरा में सड़कों पर 'बांग्लादेश मुर्दाबाद' के बैनरों के साथ उग्र प्रदर्शन

# बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार और हत्या के विरोध में रोष

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बांग्लादेश में मौजूदा अराजकता और हिंसा की लपटें अब भारत तक पहुंचती दिखाई दे रही हैं। खास तौर पर बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के दीपु चंद्रदास की नृशंस हत्या की खबरें तेजी से फैलने के बाद पूरे देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। डायमंड सिटी सूरत में भी इस घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। शहर के विभिन्न इलाकों में लोगों ने सड़कों पर उतरकर और बैनर प्रदर्शित कर अपना विरोध दर्ज कराया है।

सूरत की सड़कों पर 'बांग्लादेश मुर्दाबाद' के नारे

सूरत के कई इलाकों में 'बांग्लादेश मुर्दाबाद' लिखे बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं। इन बैनरों के जरिए नागरिकों ने अपना गुस्सा और नाराजगी जाहिर की है। खासकर युवाओं में इस घटना को लेकर जबरदस्त रोष देखने को मिल रहा है। स्थानीय निवासियों और हिंदू समर्थक संगठनों ने एकजुट होकर दीपु चंद्रदास की हत्या की कड़ी निंदा की है और मांग की है कि इस तरह के अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

प्रदर्शन में शामिल स्थानीय नागरिक सुरेशभाई ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज दुनिया के कई हिस्सों में हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। जहां-जहां हिंदुओं को सुरक्षा नहीं मिल रही

है, उसके खिलाफ यह आवाज उठाई जा रही है। बांग्लादेश हो या पाकिस्तान, ऐसे देशों में जिस तरह हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं, उसके विरोध में ही हम ये पोस्टर लगाकर प्रदर्शन कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हर हिंदू सुरक्षित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी से कड़े कदम उठाने की मांग

पुरुषोत्तम शर्मा नाम के एक अन्य नागरिक ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय की मांग की। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करता हूं कि बांग्लादेश सरकार से इस मामले में जवाब मांगा जाए। दीपु दास की जिस तरह क्रूर हत्या की गई है, वह माफी के लायक नहीं है। भारत सरकार को इस पर तुरंत और सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी देश में हिंदुओं पर ऐसे अत्याचार करने की हिम्मत न हो।

युवाओं और हिंदू संगठनों में बढ़ते आक्रोश को देखते

हुए सूरत में पुलिस बंदोबस्त भी सतर्क कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि भारत सरकार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए और बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे। सोशल मीडिया पर भी दीपु चंद्रदास की हत्या के विरोध में कई अभियान शुरू किए गए हैं, जो सूरत के नागरिकों के आक्रोश को दर्शाते हैं।